

अब किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी उपलब्ध होगी बिजली: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने श्योपुर में बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली संबोधित किया

■ इसके तहत खरीफ एवं रबी फसलों के लिए 6-6 माह की अवधि ऋण चुकाने के लिए निर्धारित थी, जिसे बढ़ाकर अब एक वर्ष कर दिया गया है



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों को सतत रूप से सुविधाएं देने का कार्य किया जा रहा है, अब किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी बिजली की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे वे दिन के समय में भी अपनी फसलों में पानी दे सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कृषि उपज मंडी परिसर श्योपुर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले को वर्चुअली

संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने श्योपुर के किसानों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी श्योपुर में किसानों के लिए नवीन विश्राम गृह निर्माण के लिये 60 लाख रुपए की घोषणा की। ग्वालियर एयरपोर्ट से कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़ने के दौरान श्योपुर जिले के प्रभारी मंत्री एवं नवीन एवं

नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामनिवास रावत और अपेक्स बैंक अध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंह यादव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्योपुर कहा कि प्रदेश में इस वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जिसके तहत

किसानों के कल्याण के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। किसानों के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण की सुविधा दी जा रही है। अपेक्स बैंक अध्यक्ष श्री महेन्द्र सिंह यादव ने इस अवसर पर 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गत दिवस मेधावी विद्यार्थियों को लेटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपए

से ऋण लिया जायेगा, उसे चुकाने की अवधि उस दिनांक से एक वर्ष तक की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दुग्ध सहकारी समितियों का और अधिक संख्या में गठन किया जाये और दुग्ध उत्पादन को बढ़ाया जायें। उन्होंने कहा कि श्योपुर जिले में धान और गेहूं का बमर उत्पादन तो होता ही है, बल्कि जिले के किसान मोटे अनाज का उत्पादन भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गत दिवस मेधावी विद्यार्थियों को लेटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपए

की राशि प्रदाय की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपील की कि बच्चों को पढ़ाये तथा फिजूलखर्ची को रोकें, समाज में ऐसी परम्परा डाले, जिससे शादी-विवाह सहित अन्य सामाजिक आयोजनों में अधिक खर्च न हों। सामूहिक विवाह सम्मेलनों के माध्यम से विवाह संपन्न करायें। इस अवसर पर उन्होंने सभी को जन्माष्टमी की बधाई भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर किसानों से संवाद किया। इस दौरान ग्राम राठेप के किसान श्री मुकुट चौधरी ने बताया कि शासन की योजना में कृषि अभियांत्रिकी के माध्यम से उन्हें पराली प्रबंधन के लिये कृषि यंत्र सब्सिडी पर प्राप्त हुए हैं, पराली प्रबंधन के लिए सुपर सीडर खरीदा था, जिस पर 1 लाख

20 हजार रुपए का अनुदान भी प्राप्त हुआ। बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले में आये किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा खेती-किसानी की नवीन तकनीकी और फसलों के संबंध में लाभदायक जानकारी प्रदान की गई है। बलराम कृषि महोत्सव एवं किसान मेले के दौरान पशुपालन, कृषि, उद्यानिकी, मत्स्यपालन, एनआरएलएम द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान श्री नरेन्द्र चौधरी, श्री भरत जाट, श्री शिशुपाल मोणा, श्री सोनू शर्मा, श्री बनवारी मोणा, श्री भुवनेश मोणा, श्री पूरण प्रजापति, श्री गोविंद पटेलिया और श्री मान सिंह पटेलिया को शॉल एवं प्रशस्ती पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट कृषि परिणामों

के लिए मेधावी विद्यार्थियों में अंकुश मेहर, भूमिका माहौर, आशा गुजर, अनमोल मोणा, अभय गुजर, पूम जाट, वैष्णवी जाट, दीनबंधू मोणा, करण मोणा और मयंक शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती गुड्डि बाई, विधायक श्री बाबू जंडेल, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती रेणु सुजीत गर्ग, पूर्व विधायक श्री बृजराज सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत कृषि स्थाई समिति के सभापति श्री गिरधारी बैरवा, सांसद प्रतिनिधि श्री सुजीत गर्ग, कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, जनप्रतिनिधि तथा बडी संख्या में किसानबंधु उपस्थित रहे।

नेपाल की खौफनाक बाढ़...२2 लाख टन मलबा, 84 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित; तबाही के सरकारी आंकड़े जारी, 7,500 से ज्यादा घर प्रभावित

सड़क-पुलों को 30 अरब का नुकसान



काठमांडू। नेपाल में 26 अगस्त को आई अचानक बाढ़ ने बड़े पैमाने पर नुकसान किया है। भोटेकोशी-त्रिशुली नदी के आसपास के इलाकों में करीब 22 लाख टन मलबा जमा हो गया है। यूपनडीपी के शुरूआती आकलन के मुताबिक, बाढ़ से 6 जिलों की 17 नगरपालिकाओं में 84,270 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ अपने साथ बड़ी मात्रा में मलबा लेकर आई, जिसमें टूटे घर और इमारतों के हिस्से, घर का सामान, पेड़-पौधे, चट्टानें और मिट्टी शामिल हैं। शुरूआती सरकारी आकलन में सामने आया है कि रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन जिलों में करीब 7,570 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें 1,243 घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं। घरों को हुए नुकसान, पेड़-पौधे, चट्टानें और करीब 17 अरब नेपाली रुपये लगाया गया

है। बाढ़ का असर केवल मकानों तक सीमित नहीं रहा। सड़कें, पुल, पेयजल व्यवस्था, सीवेज और सफाई ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। सड़क विभाग के शुरूआती आकलन के अनुसार देशभर में सड़कों को करीब 30 अरब नेपाली रुपये का नुकसान हुआ है। पुलों की मरम्मत और पुनर्निर्माण पर भी बड़ी रकम खर्च होने का अनुमान है। तेज पानी और मलबे के बहाव से कई घरों, सड़कों और दूसरी जरूरी जगहों को नुकसान पहुंचा है। यूपनडीपी ने सैटेलाइट तस्वीरों और दूसरे आंकड़ों की मदद से नुकसान का शुरूआती अंदाजा लगाया है। बाढ़ के बाद जमा हुआ मलबा सिर्फ मिट्टी और पत्थरों का नहीं है। इसमें टूटे घरों के हिस्से, लोगों का घरेलू सामान, पेड़-पौधे, चट्टानें और मिट्टी भी शामिल हैं।

पांच जिलों में सबसे ज्यादा तबाही

शहरी विकास एवं भवन निर्माण विभाग की टीम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का प्रारंभिक आकलन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा असर भोटेकोशी-त्रिशुली नदी के आसपास के इलाकों में करीब 22 लाख टन मलबा जमा हो गया है। यूपनडीपी के शुरूआती आकलन के मुताबिक, बाढ़ से 6 जिलों की 17 नगरपालिकाओं में 84,270 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ अपने साथ बड़ी मात्रा में मलबा लेकर आई, जिसमें टूटे घर और इमारतों के हिस्से, घर का सामान, पेड़-पौधे, चट्टानें और मिट्टी शामिल हैं। शुरूआती सरकारी आकलन में सामने आया है कि रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन जिलों में करीब 7,570 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें 1,243 घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं। घरों को हुए नुकसान, पेड़-पौधे, चट्टानें और करीब 17 अरब नेपाली रुपये लगाया गया

सड़कें भी बाढ़ की चपेट में

बाढ़ ने नेपाल के सड़क नेटवर्क को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। सड़क विभाग के प्रारंभिक आकलन के अनुसार देशभर में करीब 30 अरब नेपाली रुपये की सड़क क्षति हुई है। गल्छी-स्याफ्रुवसी-रसुवागढ़ी सड़क सबसे ज्यादा प्रभावित मार्गों में शामिल है। करीब 82 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का लगभग 40 किलोमीटर हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है। कई जगह सड़क का नामांशान तक फिट गया है और कुछ हिस्सों को नए सिरे से बनाना पड़ेगा। पृथ्वी राजमार्ग का कृष्णगिरि हिस्सा भी बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हुआ है।

31 पुल क्षतिग्रस्त, कई पूरी तरह बह गए

बाढ़ में 15 पुल पूरी तरह बह गए, जबकि तीन अन्य पुलों को नुकसान पहुंचा है। रसुवा और नुवाकोट में कुल 53 झूले पुल प्रभावित हुए हैं। इनमें 33 पूरी तरह बह गए हैं और 20 की मरम्मत संभव बताई गई है। पुलों और संपर्क मार्गों की क्षति ने कई दूरदराज के इलाकों को मुख्य सड़क नेटवर्क से अलग कर दिया है। सरकार के सामने तत्काल चुनौती प्रभावित क्षेत्रों तक राहत सामग्री पहुंचाने के साथ-साथ संपर्क बहाल करने की है।

स्थानीय ढांचे को 1.25 अरब का झटका

बाढ़ से स्थानीय स्तर के बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार स्थानीय ढांचे को करीब 1 अरब 25 करोड़ नेपाली रुपये का नुकसान हुआ है। संपर्क बहाल करने के लिए रसुवा में तीन और नुवाकोट में दो स्थानों पर रोपवे लगाए जाने की योजना है। नुवाकोट के तीन क्षेत्रों में रोपवे का काम पूरा होने की जानकारी है, जबकि रसुवा में काम जारी है। ग्रामीण सड़कों, झूले पुलों और नए रोपवे को मिलाकर करीब 1 अरब 15 करोड़ नेपाली रुपये खर्च होने का अनुमान है।

पेयजल व्यवस्था भी चरमराई

बाढ़ के बाद पेयजल संकट ने प्रभावित इलाकों की मुश्किल और बढ़ा दी है। रसुवा, नुवाकोट, धादिंग और गोरखा में पानी की आपूर्ति से जुड़े ढांचे को नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक रिपोर्ट में रसुवा के 10, नुवाकोट के 111, धादिंग के सात और गोरखा के 24 पेयजल टैंकों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी है। पेयजल ढांचे को करीब 64 करोड़ नेपाली रुपये का नुकसान आंका गया है। इसके अलावा सीवेज और सफाई व्यवस्था को भी लगभग 29 करोड़ नेपाली रुपये की क्षति हुई है। इसका सीधा असर उन हजारों परिवारों पर पड़ रहा है जो पहले ही अपने घर या आजीविका के साधन खो चुके हैं।

84 हजार से ज्यादा लोगों पर असर

बाढ़ से 17 नगरपालिकाओं में 84,270 लोग प्रभावित हुए हैं। कई लोगों के घर और जरूरी सामान खराब हो गए हैं। ऐसे में उनके सामने रहने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने की मुश्किल खड़ी हो गई है। यूपनडीपी के अनुसार, प्रभावित लोगों में करीब 67.4 फीसदी लोग खेती से जुड़े हैं। बाढ़ से खेतों और फसलों को नुकसान होने पर उनकी कमाई पर भी असर पड़ सकता है। मौनसून के समय आई इस बाढ़ ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है।

बिजली के कई प्रोजेक्ट भी प्रभावित

बाढ़ से नेपाल की बिजली व्यवस्था को भी नुकसान पहुंचा है। 11 हाइड्रोपावर स्टेशन और एक सोलर प्लांट बाढ़ की चपेट में आए हैं। इनकी कुल बिजली बनाने की क्षमता 431.1 मेगावाट है। इसके अलावा, वन रहे 15 बिजली प्रोजेक्ट भी प्रभावित हुए हैं। इनकी कुल क्षमता करीब 470 मेगावाट है। इन प्रोजेक्ट्स को हुए नुकसान से इनके काम में देरी हो सकती है।

पुनर्निर्माण की बड़ी चुनौती

नेपाल के लिए यह आपदा केवल राहत और बचाव का मामला नहीं रह गई है। शुरूआती आंकड़े बता रहे हैं कि बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान की भरपाई में लंबा समय और भारी संसाधन लग सकते हैं। हजारों घरों का पुनर्निर्माण, पूरी तरह बह चुके पुलों को दोबारा बनाना, क्षतिग्रस्त सड़कों को बहाल करना और पेयजल व्यवस्था को पटरी पर लाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती होगी। सबसे अहम बात यह है कि अभी सामने आया आंकड़ा अंतिम नहीं है।

अमेरिका-ईरान तनाव फिर चरम पर: दोनों देश कर रहे हैं ताबड़तोड़ हमले...



■ अमेरिका ने शादी समारोह तो ईरान ने जॉर्डन-बहरीन पर किया हमला

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हमले की पुष्टि करते हुए एयर डिफेंस साइट्स, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकानों, माइन बिछाने की क्षमता और कम्युनिकेशन साइट्स को निशाना बनाने का दावा किया है। दूसरी ओर, ईरान ने आरोप लगाया है कि दक्षिणी ईरान के सिरिक इलाके में अमेरिकी हमले की चपेट में एक शादी समारोह भी आया, जिसमें कई लोगों की मौत और 50 से ज्यादा

लोगों के घायल होने की बात कही गई है। ईरान के खुजस्तान प्रांत में भी अमेरिकी हमले में 7 लोगों की मौत और 8 लोगों के घायल होने का दावा किया गया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बचाई के मुताबिक, सिरिक के कुहस्तक इलाके में एक रिहायशी घर को निशाना बनाया गया, जहां परिवार शादी का जश्न मना रहा था। ईरान ने दावा किया कि हमले में महिलाएं, बच्चे और अन्य नागरिक प्रभावित हुए। ईरान का जॉर्डन-बहरीन में अमेरिकी ठिकाने निशाने पर अमेरिकी हमलों के जवाब में ईरान ने जॉर्डन और बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल हमले करने का दावा किया है।

31 बांग्लादेशी नागरिकों को बंगाल भेजा

बंगलुरु। बंगलुरु पुलिस ने शहर में अवैध रूप से रह रहे 31 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजने के लिए पश्चिम बंगाल भेजा है। इन सभी को अगस्त में इलेक्ट्रॉनिक सिटी डिवीजन के 10 पुलिस थानों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान हिरास्त में लिया गया था। पुलिस के मुताबिक, अब पश्चिम बंगाल के अधिकारी जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद इन लोगों को बांग्लादेश वापस भेजेंगे। ये सभी बांग्लादेश के खुलना जिले के बोरहाट के रहने वाले हैं और माना जा रहा है कि उन्होंने अवैध तरीके से भारत में प्रवेश किया था। 29 जगहों पर हुई कार्रवाई में पुलिस ने 1,909 संदिग्ध अवैध प्रवासियों को हिरास्त में लिया था। बाकी 1,894 संदिग्धों के दस्तावेजों की जांच अभी जारी है। उनके वीजा, पासपोर्ट और नागरिकता से जुड़े अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

एस. जयशंकर यूक्रेन और पोलैंड के दौरे पर नई दिल्ली।

विदेश मंत्री एस जयशंकर यूक्रेन और पोलैंड की यात्रा पर जा रहे हैं। वह 3-4 सितंबर को इन दोनों देशों के राजकीय दौरे पर होंगे। अपनी यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा और पोलैंड के उप-प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोर्सकी के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना और क्षेत्रीय घटनाक्रम व आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करना है। विदेश मंत्री एस जयशंकर का दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील के बाद हो रहा है, जिसमें उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में रूस-यूक्रेन जंग में शांति की अपील की थी।

राममंदिर के पहले सीईओ बने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

चंपत राय की जगह गोविंद देव गिरि महासचिव अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर के पहले सीईओ (चीफ एजीक्यूटिव ऑफिसर) के नाम का ऐलान कर दिया गया है। बुधवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा के नाम पर मुहर लगाया। जितेंद्र मिश्रा ने ऑपरेशन सिंदूर में पश्चिमी वायु कमान को लीड किया था। वह देवरिया के रहने वाले हैं। चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की तीसरी बैठक चल रही है। इसमें ट्रस्ट के 3 नए ट्रस्टियों की घोषणा कर दी गई है। पहली बार महिला को भी शामिल किया गया। दिल्ली के महेश भागचंदा, अयोध्या के एडवोकेट मदन मोहन पांडेय और आरएसएस से जुड़ी शिकोहाबाद की निर्मला यादव को ट्रस्टी बनाया गया है। महेश भागचंद का विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल के रिश्तेदार हैं। 2020 में राम मंदिर के भूमि पूजन के धार्मिक अनुष्ठानों में वह मुख्य यजमान रहे थे। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान भी यजमान रहे। 7 जून को चढ़ावा चोरी का मामला सामने आया था। मामले में 8 आरोपी जेल में हैं।

दिशा सालियान मौत की जांच सीबीआई करेगी

2020 में एक्टर की मौत से 6 दिन पहले 14वीं मंजिल से गिरी थीं

■ दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी।



मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच सीबीआई को सौंप दी। कोर्ट ने यह फैसला दिशा के पिता की याचिका पर सुनाया। इसमें उन्होंने पुलिस की जांच पर सवाल उठाए थे। दिशा की मौत 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से हुई थी। घटना के छह दिन बाद, 14 जून

2020 को सुशांत सिंह भी मुंबई के बांद्रा स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत मिले थे। दिशा केस की शुरूआती जांच करीब तीन महीने में बंद कर दी गई थी, लेकिन

सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे सामने आने के बाद 2023 में इसे दोबारा खोला गया और एसआईटी बनाई गई। तब से जांच जारी है।

जस्टिस एसवी कोतवाल और आरआर भोसले की वेंच ने 28 अगस्त को दिशा मामले की जांच हत्या के एंगल से कराने की मांग वाली याचिका पर फैसला

सुरक्षित रख लिया था। हाईकोर्ट ने मंगलवार को अपने फैसले में सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी को मामले की जांच की जिम्मेदारी देने का निर्देश दिया

है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि सिर्फ नाम होने से कोई व्यक्ति आरोपी नहीं माना जाएगा। अगर जांच में कुछ नहीं मिलता है।

संपादकीय

फिर-फिर निर्भया कांड

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2०12 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापूर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 202० में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सख्त कानून और कठोर सजाओं के बाद ऐसे अपराधों पर अंकुश लगा? दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ.प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर-63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर-63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैध लिया। पर्दे लगी स्त्रीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक-परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक-परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों ह्रादसे की सार्वजनिक जानकारी 31 अगस्त को मीडिया को दी गई? वहीं दूसरी ओर ईमान के पतन की पराकाष्ठा दिल्ली के बवाना इलाके में सामने आई, जहां स्कूल बस चालक को नर्सरी की एक बच्ची का यौन उत्पीड़न करने पर गिरफ्तार किया गया है। घटना 19 अगस्त को सामने आई जब नर्सरी की छात्रा के परिजनों ने उसके निजी अंगों पर चोट के निशान देखे। बच्ची ने अपनी मां को स्कूल के एक गंदे अंकल के बारे में बताया जो उसे चाँकलेट देता था। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचित करने के बाद बस चालक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। शुरुआती जांच के अनुसार बच्ची से चार बार यौन दुर्व्यवहार किया गया था। किसी सच्य समाज को शर्मसार करने वाली ये घटनाएं जहां समाज में भरोसे को तोड़ती हैं, वहीं कानून व्यवस्था के प्रश्न को भी उठाती हैं। इन मुद्दों पर राजनीति भी जमकर शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि डहाल इंजन सरकार में दिल्ली रेप कैंपिटल बनती जा रही है। इसके बावजूद कि दिल्ली में एक महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं कुछ राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि जनता की सुरक्षा व अपराध रोकने के कार्य के बजाय पुलिस पर अन्य कार्यों का बोझ डाला जा रहा है। वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं का कहना है कि पुलिस ने मामले की तह तक जाकर अपराधियों को समय रहते गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई में तेजी दिखायी है। साथ ही लोगों से अपील की है कि वे जागरूक रहें और ऐसी घटनाओं की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। लेकिन मुख्य सवाल यह है कि भारत में यौन लिप्साओं के विस्फोट की असली वजह क्या है? क्यों किन्हीं कमजोर स्थितियों में महिला, लड़की व बच्ची की उम्र का भी लिहाज न कर, यौन हिंसा का शिकार बनाया जा रहा है? हमारा समाज पतनोनमुखी क्यों होता जा रहा है? क्या यौन अपराधों के मूल में मोबाइल में इंटरनेट के जरिये परोसी जा रही यौन उत्तेजक सामग्री है? देश के समाज विज्ञानियों को इस गंभीर प्रश्न पर मंथन करना होगा।

आज का इतिहास

- 18०4 - जर्मन खगोल विज्ञानी कार्ल लुडविग हार्डिंग ने सबसे बड़े क्षुद्रग्रहों में से एक जूनो की खोज की थी.
- 1836 - रॉकी पर्वत के पश्चिम में बसने वाली पहली अंग्रेजी बोलने वाली सफेद महिलाओं में से एक नारसीसा विट्टेमेन वाशिंगटन के वाला वाला में पहुंचीं थी.
- 1838 - दक्षिण अमेरिका में ब्रिटिश मूल का सबसे पुराना स्कूल सेंट एंड्रयू स्कॉट्स स्कूल स्थापित किया गया था.
- 1862 - अमेरिकी गृह युद्ध: चैन्टिली की लड़ाई: संघीय सेना के सैनिक वजीनिया के चान्तिल्ली में यूनियन आर्मी सैनिकों को पीछे हटाने के एक समूह को हराया था.
- 1864 - अमेरिकी गृहयुद्ध: कन्फेडरेट आर्मी जनरल जॉन बेल हूड ने अटलांटा को निकालने का आदेश दिया था.
- 187० - फ्रैंको-प्रशिया युद्ध: सेडान की लड़ाई लड़ी गयी थी.
- 1873 - अपने पिता मपादे की मृत्यु के बाद जेट्स राष्ट्र के राजा के रूप में केत्सोवे सिंहासन पर चढ़ गए थे.
- 1878 - एम्मा नट बोस्टन टेलीफोन ग्रिस्पैच कंपनी में अलेक्जेंडर ड्राइम बेल द्वारा भर्ती होने पर दुनिया की पहली महिला टेलीफोन ऑपरेटर बन गयी थी.
- 1894 - मिनीटा, हिनक्ले में जंगल की आग ग्रेट हिनक्ले फायर में 400 से अधिक लोग मारे गए थे.
- 19०5 - अल्बर्ट और सास्काचेवान कनाडाई संघ में शामिल हो गए थे.
- 19०6 - बौद्धिक संपदा अटार्नी का अंतर्राष्ट्रीय संघ स्थापित किया गया था.
- 1914 - रूस के सेंट पीटर्सबर्ग का नाम पेटेरोग्रेड में बदल दिया गया था.
- 192० - गेन्ट की संधि के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और ग्रेट ब्रिटेन के बीच शांति के 1०0 वर्षों तक श्रद्धांजलि के रूप में समय का फाउंटन खुला था.
- 1923 - ग्रेट कांटो भूकंप ने टोक्यो और योकोहामा को नष्ट कर दिया, जिसमें लगभग 1०5,००0 लोग मारे गए थे.
- 1928 - अहमेट जोगू ने अल्बानिया को राजशाही घोषित किया था.
- 1934 - पहला मेट्रो-गोल्डविन-मेयर एनिमेटेड कार्टून, द डिस्कॉन्टेन्ट कैनरी फिल्म थियेटर में रिलीज किया गया था.

प्रभात परिक्रमा

सर्वे के संकेत और लोकतंत्र की असली कसौटी

लोकसभा चुनाव यदि आज होते हैं तो राष्ट्रीय जनतात्रिक गठबंधन (एनडीए) एक बार फिर केंद्र की सत्ता में लौट सकता है। एक ताजा सर्वेक्षण में एनडीए को 326 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है, जबकि इंडिया ब्लॉक को 185 और अन्य दलों को 32 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वोट शेयर के लिहाज से भी एनडीए को 45 प्रतिशत, इंडिया ब्लॉक को 39 प्रतिशत और अन्य दलों को 16 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी को अकेले 261 और कांग्रेस को 1०6 सीटें मिलने का अनुमान इस सर्वेक्षण की राजनीतिक तस्वीर को और स्पष्ट करता है। प्रधानमंत्री पद की पहली पसंद के तौर पर नरेंद्र मोदी को 49 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलना भी इस बात का संकेत है कि मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में मोदी की लोकप्रियता अभी चुनौतीपूर्ण स्थिति में बनी हुई है। लेकिन किसी भी सर्वेक्षण को चुनाव का अंतिम परिणाम मान लेना लोकतंत्र की बुनियादी प्रकृति को समझने में भूल होगी। सर्वेक्षण जनता के मन की तत्काल तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, जबकि चुनाव का वास्तविक फैसला मतदान केंद्रों पर होता है।

सौरभ वार्षणेय

मतदाता का रुख चुनाव की तारीख नजदीक आने तक अनेक सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और स्थानीय मुद्दों से प्रभावित हो सकता है। इसलिए इस सर्वेक्षण को सत्ता की गरंटी नहीं, बल्कि जनता के वर्तमान राजनीतिक मूड का संकेत माना जाना चाहिए। सर्वेक्षण की एक महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी भी प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे लोकप्रिय विकल्प बने हुए हैं। 49 प्रतिशत लोगों ने उन्हें पहली पसंद बताया, जबकि राहुल गांधी को 27 प्रतिशत और तमिलनाडु के नेता सी. जेसेफ विजय को 9 प्रतिशत समर्थन मिला। यह आंकड़ा बताता है कि विपक्ष के सामने अभी भी नेतृत्व के सवाल का समाधान पूरी मजबूती से सामने नहीं आया है। लोकतंत्र में सरकार के खिलाफ असंतोष को चुनावी समर्थन में बदलने के लिए केवल विरोध पर्याप्त नहीं होता। जनता को वैकल्पिक नेतृत्व, स्पष्ट नीतियां और भरोसेमंद राजनीतिक दृष्टि भी दिखाई देनी चाहिए। हालांकि, मोदी सरकार के प्रति सकारात्मक राय को केवल लोकप्रियता के चमपे से देखना भी उचित नहीं होगा। सर्वे में 51 प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री के कामकाज को अच्छा बताया है, जबकि अगस्त 2०26 में एनडीए सरकार के समग्र प्रदर्शन से 50 प्रतिशत लोग संतुष्ट और 29

प्रतिशत असंतुष्ट दिखाई दिए। इसका अर्थ यह भी है कि सरकार के पक्ष में समर्थन मजबूत जरूर है, लेकिन यह सर्वसम्मत नहीं है। लगभग एक-तिहाई आबादी का असंतोष सत्ता पक्ष के लिए चेतावनी है। सरकार को यह समझना होगा कि चुनाव केवल उपलब्धियों के प्रचार से नहीं, बल्कि जनता की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान से जीते जाते हैं। राज्यों के आंकड़े इस तस्वीर को और दिलचस्प बनाते हैं। उत्तर प्रदेश में इंडिया ब्लॉक को 41 और एनडीए को 38 सीटें मिलने का अनुमान है। महाराष्ट्र में एनडीए को 31 और इंडिया ब्लॉक को 17 सीटें मिलने की संभावना बताई गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में एनडीए को 35 सीटों के साथ बढ़त का अनुमान है। इससे साफ है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी गठबंधन की बढ़त का अर्थ यह नहीं कि हर राज्य में उसका प्रदर्शन समान होगा। भारत की राजनीति अब भी क्षेत्रीय आकांक्षाओं, जातीय समीकरणों, स्थानीय नेतृत्व और राज्य-विशिष्ट मुद्दों से गहराई से प्रभावित होती है।



समय से लोकतंत्र की विश्वसनीयता के लिए चुनौती बना हुआ है। यदि जनता इस पर कठोर कानून चाहती है तो राजनीतिक दलों को भी इस मांग को गंभीरता से लेना चाहिए। राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड को लेकर 47 प्रतिशत लोगों द्वारा केंद्र और राज्य दोनों सरकारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की बात कहना भी राजनीति के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही की अपेक्षा सामान्य प्रशासनिक मामलों से कहीं अधिक होती है। ऐसे मामलों में सरकारों की प्रतिक्रिया, जांच की निष्पक्षता और दीर्घियों पर कार्रवाई जनता के विश्वास को प्रभावित करती है। इस सर्वेक्षण की एक और उल्लेखनीय विशेषता इसका युवा

समय सावधानी जरूरी है। सर्वेक्षण चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह मतदाताओं के बदलते मन को पूरी तरह पकड़ नहीं सकता। खासकर भारत जैसे विशाल और विविध देश में स्थानीय मुद्दे अंतिम समय में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। विपक्ष के लिए यह सर्वेक्षण आत्ममंथन का अवसर है। यदि इंडिया ब्लॉक को राष्ट्रीय स्तर पर 185 सीटों का अनुमान मिल रहा है तो इसका अर्थ यह नहीं कि विपक्ष कमजोर हो चुका है। बल्कि यह बताता है कि उसके पास एक मजबूत आधार मौजूद है, जिसे बेहतर संगठन, साझा रणनीति और स्पष्ट नेतृत्व के जरिए विस्तार दिया जा सकता है। विपक्ष को केवल सरकार की आलोचना करने के बजाय यह बताना होगा कि सत्ता में आने पर वह रोजगार, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में क्या अलग करेगा। सत्ता पक्ष के लिए भी यह सर्वेक्षण केवल उत्सव का कारण नहीं होना चाहिए। 326 सीटों का अनुमान निश्चित विजय नहीं है। लोकतंत्र में जनता का समर्थन हर चुनाव में नए सिरे से हासिल करना पड़ता है। सरकार के सामने महंगाई, रोजगार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों की आय, शिक्षा और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां लगातार मौजूद हैं। लोकप्रियता के आंकड़ों को जनादेश का स्थायी प्रमाण

समझना किसी भी सरकार के लिए जॉरिम भर हो सकता है। सर्वेक्षण लोकतंत्र का आईना हो सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र का फैसला नहीं। जनता आज किसे पसंद करती है, यह महत्वपूर्ण है, लेकिन जनता चुनाव के दिन किसे वोट देती है, यही निर्णायक है। अभी चुनाव सामने नहीं हैं, इसलिए राजनीतिक दलों के पास जनता का विश्वास जीतने का पर्याप्त समय है। एनडीए के सामने अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और असंतुष्ट वगों को साथ जोड़ने की चुनौती है, जबकि विपक्ष के सामने एक विश्वसनीय विकल्प बनने की चुनौती है। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि अंतिम शक्ति जनता के हाथ में है। सर्वेक्षण बदल सकते हैं, समीकरण बदल सकते हैं, नेता बदल सकते हैं और चुनावी हवा भी बदल सकती है। इसलिए आज के आंकड़ों से कल का परिणाम तय करना जल्दबाजी होगी। असली सवाल यह नहीं कि सर्वे में कौन आगे है, बल्कि यह है कि चुनाव तक कौन जनता के सवालों को बेहतर ढंग से समझता है और उनके समाधान का भरोसा पैदा करता है। आखिरकार लोकतंत्र में सबसे बड़ा सर्वेक्षण जनता का मतदान है और उसका फैसला ही अंतिम होता है। (लेखक वरिष्ठ प्रकाश, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज का राशिफल

मेघ- निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा।
शुभांक-1-3-5
वृष- अपने हित के काम सुबह-सबरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने हितेषी समझे जाने वाले ही पीट पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।
शुभांक-2-4-6
मिथुन- अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है।
शुभांक-4-7-9
कर्क- दूसरों के कार्यों में अनुपस्थक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।
शुभांक-2-4-5
सिंह- चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी।
शुभांक-4-5-6
कन्या- प्रयास से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतोषजनक सफलता मिलेगी। मेहमानों का आगमन होगा। पेटुक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चात्ताप होगा। विधाधियों को लाभ। बिहार चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे।
शुभांक-2-4-7
तुला- परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।
शुभांक-5-6-9
वृश्चिक- संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें।
शुभांक-3-6-8
धनु- शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें।
शुभांक-3-5-7
मकर- मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा।
शुभांक-4-6-8
कुम्भ- महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।
शुभांक-2-6-9
मीन- प्रतीक्षा बढ़ाते वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सर्जनों का साथ भी रहेगा।
शुभांक-5-6-8

कविता का सवाल अब भी बाकी है

कई साल बीत गए। वर्ष ठीक–ठीक याद नहीं। तब मुंगेर का गंगा पुल नहीं बना था। बेगूसराय का स्थापना दिवस था और विमल कीर्ति सिंह वहां के जिला पदाधिकारी। उसी अवसर पर कवि सम्मेलन हुआ था। मुंगेर से अनिरुद्ध सिन्हा, छंदराज और सियाराम प्रहरी काव्यपाठ के लिए गए थे। मैं कला–संस्कृति की रिपोर्টিंग के सिलसिले में वहां था। उसी मंच पर पहली बार सत्यनारायण और गोपी वल्लभ सहाय को एक साथ सुनने का अवसर मिला। परिचय औपचारिक नहीं था। वे मुझे नाम से जानते थे। आगे चलकर यह परिचय आत्मीयता में बदल गया।

कुमार कृष्णन

28 अगस्त 2026 को पटना के कदमकुआं स्थित आवास पर सत्यनारायण का निधन हो गया। सात दशकों से अधिक समय तक कविता को अपने समय की बेचैनी से जोड़कर रखने वाला यह कवि अपने रचनात्मक जीवन के समग्र प्रकाशन ‘सत्यनारायण समग्र’ की प्रतीक्षा कर रहा था। विरंडबन यह कि उनकी रचनाओं का समग्र पाठकों तक पहुंचने वाला था, लेकिन कवि स्वयं उसका साक्षी नहीं बन सका। सत्यनारायण को याद करने का सबसे सार्थक तरीका शायद उनके पुरस्कारों, सम्मानों और पदों की सूची दोहराना नहीं, बल्कि उस सवाल तक लौटना है जो उनकी कविता बार–बार उठाती है–अन्याय कब तक चलेगा और चुप्पी आखिर किसकी रक्षा करती है? ‘जुल्म का चक्का और तबाही, केतना दिन–केतना दिन! वे करते हैं हम भरते हैं, अईसन काहे–अईसन काहे!! ‘ ‘केतना दिन’ केवल लोकभाषा का मुहावरा नहीं है। यह सत्ता और समाज के बीच जवाबदेही का प्रश्न है। सत्यनारायण की कविता पाठक को केवल सहमत कराने नहीं आती, उसे असहज भी करती है। यही उनकी जनधर्मी कविता की केंद्रीय शक्ति थी। कविता का सड़क पर उतरना 1974 का जेपी आंदोलन सत्यनारायण की समूची कविता के लिए निर्णायक प्रसंग था। गोपी

वल्लभ सहाय, परेश सिन्हा, लाल धुआं और अनेक साहित्यकार उस दौर की जनचेतना से जुड़े थे। फणीश्वरनाथ रेणु जैसे साहित्यकार भी आंदोलन की सामाजिक बेचैनी के साथ खड़े दिखाई देते थे। सत्यनारायण ने कविता को सभागार से निकालकर नुककड़ तक पहुंचाया। नुककड़ कविता का महत्व केवल यह नहीं था कि वह अधिक लोगों तक पहुंचती थी। उसका असली महत्व यह था कि उसने कविता और नागरिकता के बीच सीधा संबंध बनाया। सभागार में कविता श्रोता तक पहुंचती है, सड़क पर वह श्रोता को नागरिक में बदलने की कोशिश करती है। 1974 में बिहार की सड़कों पर कविता का यह रूप असाधारण था। सत्ता के केंद्रीकरण, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और राजनीतिक असंतोष के बीच कविता ने प्रतिरोध की भाषा खोजी। सत्यनारायण की भारी आवाज और सहज लोकभाषा इस वातावरण में दूर तक जाती थी। उनकी कविता आंदोलन का घोषणापत्र नहीं थी, लेकिन उसने आंदोलन की भावनात्मक और नैतिक जमीन को मजबूत किया। इसीलिए सत्यनारायण को केवल गीतकार के रूप में देखना उनके कवि–व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। उनके गीत में राजनीतिक चेतना थी, लेकिन वे कविता को नारे में बदल देने से बचते थे। उनका आग्रह मनुष्य की गरिमा और सच बोलने के अधिकार से शुरू होता था। ‘राज नंगा है, मत कहना! राज नंगा है तो है, इससे तुमको क्या? सच को सच कहने पर होगी घोर समस्या की। सचाने चुप हैं, तुम भी चुप।’ इस पंक्तियों का निशाना किसी एक सरकार या किसी एक कालखंड तक सीमित नहीं है। यहां सत्ता से अधिक खतरनाक वह सामाजिक विवेकीयता है, जो सत्ता की भाषा को अपनी भाषा बना लेती है। ‘सयाने’ लोग चुप हैं, क्योंकि सच बोलने की कीमत है। कविता इसी कीमत का हिसाब मांगती है। इसलिए सत्यनारायण की कविता को केवल जेपी आंदोलन की राजनीतिक स्मृति में रख देना उसके अर्थ को छोटा करना होगा। जेपी आंदोलन उनके कवि–व्यक्तित्व में मौजूद उस बेचैनी का ऐतिहासिक क्षण था, जिसमें कविता और नागरिक प्रतिरोध एक–दूसरे से मिले। कविता और सत्ता का द्वंद्व सत्यनारायण की रचनात्मक यात्रा का एक रोचक विरोधाभास बाद में सामने आता है। जिस कवि ने सत्ता से सवाल किए, उसी की रचना ‘मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत–शत वंदना बिहार’ बिहार का राज्यगीत बनी। क्या सत्ता द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद कविता का प्रतिरोध समाप्त हो जाता है? क्या किसी कवि की रचना का राज्यगीत बन जाना उसके आलोचनात्मक तैवर को निष्प्रभावी कर देता है? इन सवालों का उत्तर सत्यनारायण की समूची रचनात्मकता को साथ रखकर ही मिल सकता

है। राज्यगीत में वे बिहार की सांस्कृतिक स्मृति को वाल्मीकि, वैशाली, बुद्ध, महावीर, नालंदा, अशोक, आर्यभट्ट, शेरशहा, कुंवर सिंह और गांधी से जोड़ते हैं। बिहार उनके खड़े दिखाई देते थे। सत्यनारायण ने कविता को सभागार से निकालकर नुककड़ तक पहुंचाया। नुककड़ कविता का महत्व केवल यह नहीं था कि वह अधिक लोगों तक पहुंचती थी। उसका असली महत्व यह था कि उसने कविता और नागरिकता के बीच सीधा संबंध बनाया। सभागार में कविता श्रोता तक पहुंचती है, सड़क पर वह श्रोता को नागरिक में बदलने की कोशिश करती है। 1974 में बिहार की सड़कों पर कविता का यह रूप असाधारण था। सत्ता के केंद्रीकरण, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और राजनीतिक असंतोष के बीच कविता ने प्रतिरोध की भाषा खोजी। सत्यनारायण की भारी आवाज और सहज लोकभाषा इस वातावरण में दूर तक जाती थी। उनकी कविता आंदोलन का घोषणापत्र नहीं थी, लेकिन उसने आंदोलन की भावनात्मक और नैतिक जमीन को मजबूत किया। इसीलिए सत्यनारायण को केवल गीतकार के रूप में देखना उनके कवि–व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। उनके गीत में राजनीतिक चेतना थी, लेकिन वे कविता को नारे में बदल देने से बचते थे। उनका आग्रह मनुष्य की गरिमा और सच बोलने के अधिकार से शुरू होता था। ‘राज नंगा है, मत कहना! राज नंगा है तो है, इससे तुमको क्या? सच को सच कहने पर होगी घोर समस्या की। सचाने चुप हैं, तुम भी चुप।’ इस पंक्तियों का निशाना किसी एक सरकार या किसी एक कालखंड तक सीमित नहीं है। यहां सत्ता से अधिक खतरनाक वह सामाजिक विवेकीयता है, जो सत्ता की भाषा को अपनी भाषा बना लेती है। ‘सयाने’ लोग चुप हैं, क्योंकि सच बोलने की कीमत है। कविता इसी कीमत का हिसाब मांगती है। इसलिए सत्यनारायण की कविता को केवल जेपी आंदोलन की राजनीतिक स्मृति में रख देना उसके अर्थ को छोटा करना होगा। जेपी आंदोलन उनके कवि–व्यक्तित्व में मौजूद उस बेचैनी का ऐतिहासिक क्षण था, जिसमें कविता और नागरिक प्रतिरोध एक–दूसरे से मिले। कविता और सत्ता का द्वंद्व सत्यनारायण की रचनात्मक यात्रा का एक रोचक विरोधाभास बाद में सामने आता है। जिस कवि ने सत्ता से सवाल किए, उसी की रचना ‘मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत–शत वंदना बिहार’ बिहार का राज्यगीत बनी। क्या सत्ता द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद कविता का प्रतिरोध समाप्त हो जाता है? क्या किसी कवि की रचना का राज्यगीत बन जाना उसके आलोचनात्मक तैवर को निष्प्रभावी कर देता है? इन सवालों का उत्तर सत्यनारायण की समूची रचनात्मकता को साथ रखकर ही मिल सकता

‘तुम ना नहीं कर सकते’, ‘सुनें प्रजाजन’, ‘टूटते जल बिंब’ और ‘सभाध्यक्ष हंस रहा है’ जैसी कृतियां उनके रचनात्मक संसार के अलग–अलग पक्ष खोलती हैं। ‘नुक्कड़ कविता’ जैसी पत्रिका के संपादन के जरिए ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान रही। मेरी स्मृति में सत्यनारायण मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बैंगूसयक के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा ‘बेचैन’ तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज

किसानों को मिला दूसरे गांवों का समर्थन,घरने पर पहुंचे लोग

इंदिरापुरम। कनावनी गांव के किसानों का धरना मंगलवार को 19वें दिन भी जारी रहा। रविवार को हुई महापंचायत के बाद मंगलवार को पड़ोसी गांवों के किसान भी धरना स्थल पर पहुंचे और समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि जायज मांगों की लड़ाई में वे कनावनी के किसानों के साथ मजबूती से खड़े हैं। जरूरत पड़ने पर आंदोलन में पूरी तरह शामिल होने का आश्वासन भी दिया। किसानों का आरोप है कि प्रशासन ने मांगों पर अभी तक गंभीरता से विचार नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ठोस निर्णय और न्याय मिलने तक धरना जारी रहेगा। किसानों ने कहा कि अब यह संघर्ष केवल कनावनी तक सीमित नहीं, बल्कि किसानों के हक और अधिकार की लड़ाई समूचे जिले और प्रदेश तक फैलेगी। इस दौरान महेंद्र नागर, कबूल सिंह नागर, श्रीचंद नागर, श्रीपाल नागर व कैलाश नागर समेत बड़ी संख्या में अन्य किसान मौजूद रहे।

हाईवे पर डकैती में शामिल चार और बदमाश हिरासत में

गाजियाबाद। वेब सिटी क्षेत्र में 21 अगस्त की रात मेरठ के उद्यमी गिलमान से हुई 24.85 लाख रुपये की डकैती में पुलिस ने चार और बदमाशों को हिरासत में लिया है। सूत्रों के अनुसार, स्वाट टीम ने डकैती की साजिश रचने वाले सरगना समेत चार आरोपियों को पकड़ा है। इनके कब्जे से लूट की रकम और वारदात में प्रयुक्त असलाह बरामद करने का दावा किया गया है। पुलिस बुधवार को मामले को विस्तृत खुलासा कर सकती है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए चारों आरोपी डकैती की योजना बनाने में शामिल थे। ये करीब नौ दिन से अपने रिश्तेदारों के घरों में छिपकर रह रहे थे। इससे पहले पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान मेरठ के लिसाड़ी गेट के फतेहउल्लाहपुर रोड निवासी आसिफ और साहिबाबाद के अर्थला निवासी सद्दाम को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 25 अगस्त को साहिबाबाद के न्यू हिंडन विहार की हज हाउस कॉलोनी निवासी आस मोहम्मद, अर्थला निवासी ओसामा और नदीम को पकड़ा गया था। इनसे डकैती की 10 लाख रुपये की रकम बरामद हुई थी। डकैती में कुल 14 बदमाश शामिल थे। इनमें से पांच को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि चार हिरासत में हैं। पांच बदमाश पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। फरार बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, तीन आरोपियों का वारदात से कोई सीधा संबंध नहीं मिला है। ऐसे में उन्हें मामले से राहत मिल सकती है। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

महिला से दुष्कर्म के आरोप में ममेरा भाई गिरफ्तार

लोनी। महिला से दुष्कर्म के मामले में भागे हुए आरोपी को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर महिला को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर वारदात अंजाम देने का आरोप है। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्या ने बताया कि दिल्ली की एक कॉलोनी में रहने वाली महिला तीन दिन पहले लोनी क्षेत्र में अपने मामा के घर पहुंची थीं। आरोप है कि ममेरे भाई ने महिला को कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाकर बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया। होश आने पर महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। साथ ही पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। मेडिकल परीक्षण और मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नदीम से मारपीट का बदला लेने के लिए किशोर ने चाकू से किया था हमला

लोनी। आर्य नगर कॉलोनी में रविवार को मामूली विवाद के बाद युवक को चाकू मारने के मामले में पुलिस ने किशोर (16) को अभिरक्षा में ले लिया है। पुलिस पूछताछ उसने बताया कि कुछ समय पहले उसका नदीम से विवाद हुआ था और वह बदले की फिराक में था। रविवार को मौका मिला तो चाकू से नदीम पर हमला कर दिया। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्या ने बताया कि आर्यनगर कॉलोनी में रहने वाली सायबा बानो के बेटे नदीम को कॉलोनी में रहने वाले चार आरोपियों ने चाकू मारकर घायल कर दिया था। परिजन ने घायल बेटे को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया था। पीड़ित की मां ने कॉलोनी में रहने वाले शारिक, अमन, शरीफ समेत चार के खिलाफ बेटे को जान से मारने की नियत से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस घटना में शामिल किशोर को पुलिस ने मंगलवार को अभिरक्षा में ले लिया है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है।

केएमपी पर खड़े ट्रक से टकराई श्रद्धालुओं से भरी पिकअप, छह की मौत, 15 घायल

फरीदाबाद। कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर भंगीपलवार तड़के सड़क किनारे खड़े ट्रक से श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टकरा गई। हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मैनुपुरी जिले के किशनी क्षेत्र के किशनपुर, मकोया, चांदा, हवीलिया सहित आसपास के गांवों के लोग शुक्रवार को पिकअप में सवार होकर धार्मिक यात्रा पर निकले थे। उनके साथ फिरोजाबाद के कुछ रिश्तेदार भी थे। राजस्थान में गोगामेड़ी, खाटू स्थान और बालाजी मंदिर के दर्शन करने के बाद सभी सोमवार शाम वृंदावन के लिए रवाना हुए थे। मंगलवार सुबह करीब 5:20 बजे केएमपी पर बहेशपुर स्थित शराब ठेके के सामने खड़े ट्रक से पिकअप की जोरदार टक्कर हो गई। उस वक्त पिकअप में सवार अधिकांश लोग सो रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। राहगीरों ने घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। मैनुपुरी के चांदा के रहने वाले विजय सिंह, किशनपुर गांव निवासी कमला देवी व रेशमा देवी, हवीलिया गांव निवासी महेश, फिरोजाबाद के शिकोहाबाद निवासी राजकुमार, फिरोजाबाद के बहलवलपुर निवासी सुधा की मौत हुई है। हादसे में सुनील, श्वेता यादव, बीरेश, उमेश, विनोद कुमार, सरला, रूबी, रामसेवक, रवि, वाणी, वीनू, तन्नु, रेखा, गौरा देवी समेत 15 लोग घायल हैं।

दिल्ली में 400 यूनिट तक बिजली खर्च करने वाले परिवारों को मिलेगा मुफ्त सोलर प्लांट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार 400 यूनिट तक बिजली खर्च करने वाले परिवारों के लिए मुफ्त सोलर प्लांट लगवाने का फैसला लिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट बैठक में दिल्ली सौर ऊर्जा नीति 2023 में दूसरे संशोधन को मंजूरी दी है। सरकार ने 2.30 लाख घरों में मुफ्त में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बिजली मंत्री आशीष सूद ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज दिल्ली के ऊर्जा सेक्टर के लिए सचमुच एक ऐतिहासिक दिन है।

‘पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना’ पूरे देश में बहुत अच्छा काम कर रही है। हमने दिल्ली में इसे लागू करने में आने वाली मुश्किलों को समझा और उनके समाधान निकाले। आज कैबिनेट की बैठक में सोलर एनर्जी की दिशा में एक मजबूत कदम उठाने का ऐतिहासिक फैसला लिया गया। यह पहल ‘विकसित भारत’ और ‘विकसित दिल्ली’ के विजन से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि आज हमने दिल्ली सोलर ऊर्जा नीति का अगला संस्करण शुरू किया है।

इसके तहत 400 यूनिट तक बिजली इस्तेमाल करने वाले घरों को बिना किसी शुरूआती लागत के 3 किलो वॉट का रूफटॉप सोलर सिस्टम मिलेगा, जिसे सरकार पूरी तरह से इंस्टॉल करेगी और उपभोक्ता से कोई शुल्क नहीं लेगी। यह एक ऐतिहासिक कदम है। हमने 230,000 घरों में ये रूफटॉप सोलर प्लांट पूरी तरह मुफ्त लगाने का लक्ष्य मार्च 2027 तक रखा है।

मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में दिल्ली सरकार की 40वीं कैबिनेट बैठक में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है, जिसका दिल्ली के शहरी बुनियादी ढांचे और बिजली वितरण नेटवर्क पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। इसके लाभों में न केवल उपभोक्ताओं के लिए विश्वसनीय और किफायती बिजली शामिल होगी, बल्कि पर्यावरण और अन्य क्षेत्रों के लिए भी इसके व्यापक लाभ होंगे। आज दिल्ली सौर ऊर्जा नीति 2023 में दूसरे संशोधन को ऐतिहासिक मंजूरी मिल गई है।

दिल्ली में तीन लोगों की मौत: संजय झील में दर्दनाक हादसा , दोस्त को बचाने के प्रयास में सभी डूबे; लाश बरामद

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली स्थित संजय झील में एक बेहद हृदयविदारक हादसा सामने आया है। यहां नहाने गए तीन युवकों की झील में डूबने से जान चली गई है। जान गंवाने वाले सभी युवकों की उम्र 22 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तीनों शवों को बरामद कर लिया है।

दिल्ली पुलिस द्वारा दी गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना एक-दूसरे को बचाने की जद्दोजहद में घटी।

सबसे पहले एक युवक संजय झील में नहाने के लिए पानी में उतरा था। गहराई का अंदाजा न होने के कारण वह अचानक डूबने लगा और मदद की गुहार लगाने लगा। अपने दोस्त को डूबता और तड़पता देख, बाहर मौजूद उसके दोनों साथियों ने उसे बचाने के लिए तुरंत झील में छलांग लगा दी। बचाव के इस प्रयास में कोई भी सफल नहीं हो सका और गहरे दलदल या पानी में फंसने के कारण तीनों युवकों की दर्दनाक मौत हो गई।

इस घटना की पीसीआर कॉल फायर ब्रिगेड और दिल्ली पुलिस को करीब साढ़े 7 बजे मिली। सूचना मिलते ही पुलिस बल और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और गोताखोरों को झील में उतारा गया। गोताखोरों ने झील में सर्च ऑपरेशन चलाकर तीनों युवकों की बाँडी (शव) को बाहर निकाल लिया।

पुलिस ने कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

डूटा की वार्षिक आम सभा के बाद कुलपति कार्यालय तक मार्च , शिक्षकों ने उठाए लंबित मांगों के मुद्दे

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) ने सोमवार को अपनी वार्षिक आम सभा का आयोजन किया। इसके बाद शिक्षकों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय स्थित वर्ड मातरम हॉल से गेट नंबर-1 होते हुए कुलपति कार्यालय तक मार्च निकाला। इस दौरान शिक्षकों से जुड़े लंबे समय से लंबित विभिन्न मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। वार्षिक आम सभा में डूटा की सचिव की वर्ष 2025-26 की रिपोर्ट और कोषाध्यक्ष की रिपोर्ट को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। सचिव की रिपोर्ट प्रोफेसर बिमलेंद्रु तीर्थकर और कोषाध्यक्ष की रिपोर्ट डॉ. आकांक्षा खुराना ने प्रस्तुत की।

डूटा अध्यक्ष प्रोफेसर वी.एस. नेगी ने शिक्षकों की सुरक्षा और गरिमा से जुड़े मुद्दों को उठाया। उन्होंने पीएचडी और एमफिल के लिए मिलने वाली प्रोत्साहन वेतन वृद्धि को बहाल करने और इसे जारी रखने की मांग की। उन्होंने पदोन्नति और भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी तथा कठिब अनियमितताओं पर भी चिंता जताई। इसके अलावा प्रतिबंधात्मक जांच मानदंड, ‘उपयुक्त नहीं पाया गया’ यानी एनएफएस के फैसलों और रिक्त शिक्षण पदों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत भरने की मांग की गई। डूटा ने शिक्षकों के कार्यभार



में स्नातक स्तर पर शोध पर्यवेक्षण को मान्यता देने और अध्यादेश-6 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुरूप करने की जरूरत पर भी जोर दिया। शिक्षक संघ ने बिना पर्याप्त बुनियादी ढांचे, शिक्षकों की संख्या और वित्तीय सहायता बढ़ाए यूजीसीएफ तथा चौथे वर्ष के कार्यान्वयन से पैदा हो रहे बढ़ते शैक्षणिक और प्रशासनिक बोझ पर भी चिंता जताई। इसके साथ ही पदोन्नति के लिए पहले की गई अस्थायी सेवाओं को मान्यता देने की मांग भी उठाई गई। मार्च के दौरान दिल्ली सरकार से वित्त पोषित 12 कॉलेजों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कमी का मुद्दा भी उठाया गया। डूटा ने लंबित विभागीय

साक्षात्कार और रिक्त पदों को भरने, आरक्षण नीति को लागू करने तथा लंबित नियुक्तियों को पूरा करने की मांग की। इसके अलावा कॉलेज शिक्षकों के लिए डब्ल्यूयूएस सुविधाओं की बहाली और शारीरिक शिक्षा शिक्षकों, ओएमएसपी प्रशिक्षकों, अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों तथा पुस्तकालयाध्यक्षों से जुड़े लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी मामलों के समाधान की मांग की गई। डूटा ने विश्वविद्यालय प्रशासन से शिक्षकों के साथ सार्थक बातचीत करने और सभी लंबित मांगों के समाधान के लिए ठोस एवं समयबद्ध कदम उठाने का आ'न किया।

बुराड़ी में 1.67 लाख वोटर लिस्ट से बाहर, संजीव झा ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत जारी मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाते पर बुराड़ा उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र में 39.4 फीसदी मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। संजीव झा के मुताबिक, पहले बुराड़ी विधानसभा क्षेत्र में 4,26,451 मतदाता थे, लेकिन नई प्रारूप मतदाता सूची में यह संख्या घटकर 2,52,189 रह गई है। उन्होंने दावा किया कि करीब 1,67,885 लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। उनके मुताबिक, हटाए गए अधिकांश नामों के सामने ‘स्थानांतरित’ लिखा गया है।



संजीव झा ने सवाल उठाया कि क्या बड़े पैमाने पर नाम हटाकर किरायेदारों और प्रवासी नागरिकों के मताधिकार को प्रभावित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुराड़ी में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं जो किराए के मकानों में रहते हैं और काम या अन्य कारणों से समय-समय पर अपना निवास स्थान बदलते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि किसी योग्य नागरिक का वोट न छूटे। ऐसे में इतने बड़े पैमाने पर मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की प्रक्रिया पर स्पष्ट जानकारी सामने आनी चाहिए। संजीव झा ने बताया कि आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव

आयोग से मिला था। प्रतिनिधिमंडल ने ‘स्थानांतरित’ बताए गए मतदाताओं का आंकड़ा साझा करने की मांग की थी, ताकि पार्टी स्तर की भी फोन के जरिए इसकी वास्तविकता की जांच की जा सके। उन्होंने यह भी दावा किया कि कई इलाकों में बूथ स्तर के अधिकारी ठीक से नहीं पहुंचे और जहां 50 फीसदी से कम काम हुआ है, वहां बैठक कर इसके कारणों की जांच की जानी चाहिए थी। संजीव झा ने कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, उन्हें यह स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए कि वे अपना नाम दोबारा कैसे जुड़वा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की ओर से इस प्रक्रिया को लेकर पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं किया जा रहा

है, जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग अनजान हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि मतदाता सूची से हटाए गए प्रत्येक व्यक्ति को इसकी जानकारी दी जाए और नाम दोबारा जुड़वाने की पूरी प्रक्रिया बताई जाए। संजीव झा ने कहा कि लोकतंत्र में हर वोट महत्वपूर्ण है और किसी भी योग्य नागरिक को मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग से अपनी जिम्मेदारी निभाने और मतदाताओं के मताधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने सामाजिक माध्यम ‘एक्स’ पर भी दावा किया कि बुराड़ी में प्रारूप मतदाता सूची से 39.4 फीसदी नाम हटाए गए हैं और सबसे अधिक नामों के सामने ‘स्थानांतरित’ लिखा गया है।



दिल्ली एनसीआर में मौसम ने बदली करवट, फरीदाबाद समेत कई इलाकों में बरसे बदरा

नई दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को मौसम ने एक बार फिर करवट बदली। फरीदाबाद समेत एनसीआर के कई इलाकों में बारिश देखने को मिली, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दिल्ली के वसंत कुंज समेत कई इलाकों में भी बारिश से मौसम सुहावना हो गया। हालांकि, बारिश के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और कई जगहों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

दिल्ली में मानसून का पैटर्न पिछले तीन साल में तेजी से बदला है। अब जून में ग्री-मानसून बारिश कमजोर रह रही है, जबकि जुलाई और अगस्त में कम अवधि के दौरान तेज बारिश के स्पेल बढ़ रहे हैं। वर्ष 2023 में जुलाई में रिकॉर्ड बारिश के बाद अगस्त सूखा रहा था, लेकिन 2024 से जुलाई-अगस्त दोनों महीनों में लगातार सामान्य से अधिक बारिश दर्ज हो रही है। इस साल 26 अगस्त तक इन दोनों महीनों में करीब 612 मिमी बारिश हो चुकी है।

दिल्ली में मानसून के आगमन की सामान्य तरीख 29 जून है। इस बार मानसून दो जुलाई को पहुंचा, लेकिन इसके बाद बारिश की रफ्तार तेज रही। जुलाई में 258 मिमी और 26 अगस्त तक अगस्त में 354.1 मिमी बारिश दर्ज की गई। मानसून अवधि में अब तक बारिश 653.9 मिमी तक पहुंच चुकी है।

2023 में जुलाई में 507.1 मिमी बारिश हुई थी, जो सामान्य से 141 प्रतिशत अधिक थी और 2003 के बाद जुलाई की सबसे ज्यादा बारिश थी। इसके विपरीत अगस्त में महज 91.8 मिमी बारिश हुई। इसके बाद 2024 से बारिश का वितरण बदला। जुलाई लगभग सामान्य रहा, लेकिन अगस्त में 390.3 मिमी बारिश हुई। 2025 में जुलाई और अगस्त दोनों में अधिक बारिश हुई और अगस्त में 400.1 मिमी पानी बरसा, जो 15 साल में इस महीने का सर्वाधिक आंकड़ा था। 2026 में भी यही प्रवृत्ति जारी है। चार से आठ अगस्त के बीच पांच दिन में 224.7 मिमी बारिश हुई, जबकि 25 अगस्त को 24 घंटे में 99.1 मिमी बारिश दर्ज की गई।

सोलर पैनल के नाम पर बच्चों से 7,500 रुपये मांगने का आरोप

गाजियाबाद। दयानंद नगर स्थित एसडी ग्लोबल स्कूल में सोलर पैनल लगाने के नाम पर प्रत्येक बच्चे से 7,500 रुपये मांगने का मामला सामने आया है। आरडब्ल्यूए फेडरेशन ने स्कूल प्रबंधन पर अभिभावकों से धनराशि मांगने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी, सिटी मजिस्ट्रेट, डीआईओएस और सीबीएसई को पत्र भेजकर जांच की मांग की है। फेडरेशन की ओर से बुधवार को अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

फेडरेशन के महासचिव (प्रशासन) प्रीतम लाल के अनुसार 22 अगस्त को स्कूल में हुई पीटीएम के दौरान अभिभावकों को सोलर पैनल लगवाने के लिए प्रत्येक बच्चे से 7,500 रुपये देने की जानकारी दी गई। उनका आरोप है कि कई अभिभावकों की शिकायत मिलने के बाद फेडरेशन

ने मामले को उठाया है। स्कूल की ओर से जारी पत्र में परियोजना की 50 प्रतिशत राशि स्कूल और बाकी 50 प्रतिशत अभिभावकों से लिए जाने की बात कही गई है।

स्कूल की प्रधानाचार्य ज्योत्सना शर्मा ने बताया कि कई अभिभावकों ने स्कूल में एसी लगाने की मांग की थी। प्रबंधन ने शुरूआत में इससे मना किया, लेकिन बाद में अधिकतर अभिभावकों ने सहयोग राशि देने की बात कही। इसके बाद 100 केवीए के सोलर पैनल के साथ 76 एसी लगाने का एस्टीमेट तैयार कराया गया, जिसकी अनुमानित लागत करीब 1.42 करोड़ रुपये आई। प्रधानाचार्य के अनुसार इस खर्च को स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों के बीच आधा-आधा बांटने का निर्णय लिया गया। इसकी जानकारी पीटीएम में अभिभावकों को दी गई।

बच्ची को इतना परेशान किया उसे माफी मांगनी पड़ी ,मोदीजी अब उसे डर नहीं लगता

प्रधानमंत्री को गाली देने वाली लड़की के समर्थन में उतरे पूर्व सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली। जुलाई में जंतर-मंतर पर छात्रों का प्रदर्शन के दौरान पीएम मोदी को गाली देने वाली लड़की के समर्थन में दिल्ली के पूर्व सीएम केजरीवाल उतर आए हैं। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि मोदी जी, अब उसे डर नहीं लगता है। लड़की का समर्थन करते हुए केजरीवाल ने कहा कि जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के बाद मोदीजी और उनके गुंडों ने बच्ची को इतना परेशान किया कि उसे माफी मांगने पर मजबूर होना पड़ा।

बता दें जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान पीएम मोदी को गालियां देने के कई वीडियो सामने आए थे। इनमें से एक नाबालिग लड़की का भी था। लड़की ने पीएम मोदी को भद्दी गालियां दी थीं। बाद में उस लड़की ने माफी भी मांगी थी, लेकिन अब एक बार फिर से वीडियो शेयर किया है और पीएम मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीएम मोदी को गाली देने वाली लड़की का माफी मांगने वाला वीडियो शेयर करते हुए केजरीवाल ने कहा कि गाली देने के बाद पीएम मोदी और उनके समर्थकों ने बच्ची को माफी मांगने पर मजबूर किया।

केजरीवाल ने लड़की को वीडियो में दोहराते हुए कहा कि मोदीजी ने उसे इतना परेशान कर दिया है कि उसका घर से निकलना मुश्किल हो गया है। इस दौरान लड़की ने यह भी कहा है कि उसके पास खोने



के लिए कुछ नहीं बचा है और अब उसे मोदीजी से डर नहीं लगता है। वीडियो शेयर करते हुए केजरीवाल ने कहा कि इस बच्ची ने बहुत बहादुरी दिखाई है, हम सबको को इस बच्ची का सपोर्ट करना चाहिए।

बता दें जंतर-मंतर पर कॉन्ग्रेस जनता पार्टी के प्रदर्शन में मांग की गई थी कि नीट परीक्षा के पेपर लीक और उसके बाद हुए छात्रों के सुसाइड के लिए धर्मेन्द्र प्रधान जिम्मेदार हैं, इसलिए उन्हें इस्तीफा देना पड़ेगा। बाद में प्रदर्शनकारियों की मांगें मान ली गईं और धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए एक्शन को लेकर सीजेपी ने मांग की थी कि उनके ऊपर किए गए सभी एफआईआर वापस लिए जाएं, जिसके बाद सरकार को वापस लेना पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

खरगोन में 7 दिन से बारिश रुकी, फ्लावरिंग स्टेज में कपास-सोयाबीन की नमी घटी



खरगोन,एजेंसी। खरगोन जिले में पिछले सात दिनों से बारिश नहीं होने के कारण फसलों पर संकट गहरा गया है। हल्की जमीन में लगी कपास और सोयाबीन की फसलों में नमी तेजी से घट रही है। पथरीली और भूरी मिट्टी वाली जमीन में किसानों ने कपास की सिंचाई शुरू कर दी है। किसान भाव सिंह, लिलोक सेठाना और महेश यादव ने बताया कि फसलें इस समय फ्लावरिंग स्टेज पर हैं। हल्की जमीन में दररें पड़ गई हैं, जिससे नमी बनाए रखने के लिए सिंचाई आवश्यक हो गई है। जिले में इस बारिश सीजन में अब तक 25.2 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो सालाना औसत 32.6 इंच से 7 इंच कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 22.6 इंच बारिश हुई थी।

नशीली दवाओं से जुड़ाव पर मेडिकल

स्टोर का लाइसेंस निरस्त



सागर,एजेंसी। सागर में मेडिकल स्टोर्स पर अनियमितताएं मिलने पर दो मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। ड्रग इंस्पेक्टर सोनम ने शहर की विभिन्न मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया। जिसके तहत नशीली दवाओं में सलिप्तता पाए जाने समेत नियमों का उल्लंघन पर मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निरस्त किए। सागर शहर के ऋषभ इंटरप्राइजेज मेडिकल में नशीली दवाओं में सलिप्तता पाए जाने पर मेडिकल का लाइसेंस निरस्त किया गया है। इसी प्रकार आईटीआई के सामने संचालित विष्णु मेडिकल का निरीक्षण के दौरान दुकान का संचालन नहीं पाए जाने पर लाइसेंस निरस्त किया गया। फार्मासिस्ट के बिना दुकान का संचालन पाए जाने पर सर्वोद्वि मेडिकल का लाइसेंस 7 दिन के लिए निलंबित किया गया है।

13 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए: इससे पहले औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1945 के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सागर जिले के 13 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित किए थे। पटेल मेडिकल, विजय टॉकीज रोड के निरीक्षण के दौरान, 1 द्रव्य वायल 10 एमएल के क्रय-विक्रय के दस्तावेजों में गड़बड़ी पाए जाने पर दुकान का निरीक्षण किया गया।

दानापुर-बेंगलुरु स्पेशल ट्रेन अब नियमित :नए नंबर 22365/22366 से चलेगी, 24 कोच होंगे



इटारसी,एजेंसी। दानापुर से सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु के बीच चलने वाली स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन को अब नियमित कर दिया गया है। रेल प्रशासन ने इसे नए नंबर 22365/22366 आवंटित किए हैं। यह ट्रेन प्रतिदिन संचालित होगी और पश्चिम मध्य रेलवे के सतना, जबलपुर तथा इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी। पश्चिम मध्य रेल नेल भोपाल मंडल पीआरओ के अनुसार, गाड़ी संख्या 22365 दानापुर-सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु एक्सप्रेस का संचालन 1 सितंबर 2026 से प्रतिदिन किया जाएगा। यह ट्रेन दानापुर से दोपहर 2:45 बजे रवाना होगी। यह सतना में मध्यरात्रि 12:10 बजे, जबलपुर में सुबह 3:25 बजे और इटारसी जंक्शन पर सुबह 7:20 बजे पहुंचेगी। निर्धारित स्टेशनों पर ठहराव लेते हुए, ट्रेन तीसरे दिन दोपहर 2:30 बजे सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 22366 सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बेंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस 3 सितंबर 2026 से प्रतिदिन चलेगी।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला, रेफर

सुखतवा,एजेंसी। सुखतवा ग्राम डाडीवाड़ा के पास 30 अप्रैल की रात करीब 10 बजे एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। घायल को पहले शाहपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर बैतुल रेफर किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला पर्यावरण योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करें : कलेक्टर अंशुल गुप्ता

लबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिला पर्यावरण योजना के विभिन्न विषयगत क्षेत्रों की समीक्षा

विदिशा,एजेंसी। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिला पर्यावरण योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, वायु एवं जल गुणवत्ता, खनन क्षेत्रों के पर्यावरण प्रबंधन, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, आर्द्रभूमि संरक्षण तथा वृक्षारोपण प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों के अनुपालन में प्रत्येक जिले के लिए जिला पर्यावरण योजना (डीईपी) तैयार की जाती है। एनजीटी द्वारा 26 जुलाई 2019 को पारित निर्देशों के तहत सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को प्रत्येक जिले के लिए जिला पर्यावरण योजना तैयार करने तथा उसके आधार पर राज्य पर्यावरण योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद 21 सितंबर 2020 एवं 25 नवंबर 2021 के निर्देशों में जिला पर्यावरण योजना में आर्द्रभूमि सहित पर्यावरण प्रदूषण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी शामिल करने तथा सीपीसीबी द्वारा इंगित कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि 8 फरवरी 2022 के निर्देशों के अनुसार जिला पर्यावरण योजना को नियमित रूप से अद्यतन करते हुए उसका प्रभावी क्रियान्वयन



सुनिश्चित किया जाना है। साथ ही जिला पर्यावरण योजना समिति के माध्यम से जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय पर्यावरण योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित किया जाना है। 17 जनवरी 2023 के निर्देशों के अनुसार डीईपी में सभी विषयों से संबंधित संपूर्ण डेटा, अनुपालन में पाई जाने वाली कमियां, समयबद्ध कार्ययोजना तथा आवश्यक बजट का उल्लेख किया जाना आवश्यक है।

100 प्रतिशत कचरा संग्रहण एवं स्रोत पर पृथक्करण पर जोर: कार्ययोजना के तहत शहर की सभी सड़कों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग वाहनों तथा मैनुअल स्वीपर्स की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया गया है। ठोस अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन के लिए पर्याप्त मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) एवं अपशिष्ट संग्रहण

केंद्र स्थापित करने तथा नागरिकों को घर से ही गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण करने के लिए प्रेरित करने की योजना है। इसके साथ ही घर-घर जाकर 100 प्रतिशत कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने तथा स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण को प्रभावी बनाने के लिए निरंतर जन-जागरूकता अभियान संचालित किए जाएंगे। कचरा संग्रहण, परिवहन एवं निपटान से संबंधित मौजूदा अधोसंरचना की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यकतानुसार उसका रखरखाव एवं विस्तार भी किया जाएगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण योजना समिति

जिला पर्यावरण योजना समिति का गठन एनजीटी के निर्देशों के अनुसार किया गया है। समिति के अध्यक्ष जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर होते हैं। समिति में जिला प्रशासन के साथ पंचायत एवं नगरीय निकायों के प्रतिनिधि, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होते हैं। समिति का प्रमुख दायित्व जिला पर्यावरण योजना का निर्माण, उसका समय-समय पर अद्यतन, प्रभावी क्रियान्वयन एवं निगरानी तथा निर्धारित पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना है।

सात प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर फोकस

जिला पर्यावरण योजना-2026 के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है। इनमें अपशिष्ट प्रबंधन, वायु गुणवत्ता प्रबंधन, जल गुणवत्ता प्रबंधन, खनन एवं खनन क्षेत्रों का पर्यावरण प्रबंधन, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, आर्द्रभूमि संरक्षण तथा वृक्षारोपण प्रबंधन प्रमुख हैं। अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, खतरनाक एवं अन्य अपशिष्ट, ई-वेस्ट तथा निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है।

बुरहानपुर में एकेडमी के किचन शेड में आग



● 2 किमी दूर तक दिखाई दिया धुआं, कोई जनहानि नहीं

बुरहानपुर,एजेंसी। बुरहानपुर के रेणुका क्षेत्र स्थित मेक्रो विजन एकेडमी के किचन शेड में सोमवार दोपहर आग लग गई। आग से उठता धुआं करीब दो

किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था।

कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी उपकरणों की मदद से शुरुआती आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर नगर निगम के चार दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

आग लगने के बाद कर्मचारियों ने बालू रेत और फायर सेफ्टी बॉल की मदद से

शुरुआती आग बुझाने का प्रयास किया। इसके बाद सूचना मिलने पर नगर निगम की दमकल टीमें मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

स्कूल और अस्पताल के लिए तैयार होता है खाना: मेक्रो विजन एकेडमी के संचालक आनंद प्रकाश चौकसे ने बताया कि स्कूल के पीछे बने इस किचन शेड में स्कूल और अस्पताल दोनों के लिए खाना तैयार किया जाता है। यहां तेल गर्म कर खाना बनाने वाली मशीनें लगी हैं।

चौकसे के मुताबिक, सोमवार को एक वॉल्व लीक होने से उच्च तापमान वाले तेल में आग लगी। किचन में मौजूद फायर उपकरणों की मदद से कर्मचारियों ने शुरुआती स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया।

किचन के कुछ उपकरण क्षतिग्रस्त: चौकसे ने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और किसी को चोट नहीं आई। आग से किचन के कुछ उपकरण क्षतिग्रस्त हुए हैं। दमकलकर्मियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

इटारसी में 24 घंटे में शून्य बारिश, बढ़ी उमस:तवा बांध अभी 12 फीट खाली, सितंबर में अच्छी बारिश की उम्मीद

इटारसी,एजेंसी। इटारसी में सावन महीने समाप्त होने के साथ ही बारिश का सिलसिला भी थम गया है। पिछले दो दिनों से शहर और आसपास के क्षेत्रों में वर्षा नहीं होने से गर्मी और उमस बढ़ गई है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आज मंगलवार को सुबह 8 बजे तक बोते 24 घंटों में इटारसी तहसील में शून्य मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। हालांकि, चालू मानसून सीजन में अब तक कुल 697.4 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है।

तवा बांध में नहीं पहुंचा अपेक्षित पानी: इस बार इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में तेज और लगातार बारिश नहीं हुई। रुक-रुककर हुई बारिश से मौसम सुहावना जरूर रहा, लेकिन जलाशयों में अपेक्षित जलभराव नहीं हो सका। इसका असर तवा बांध के जलस्तर पर भी दिखाई दे रहा है। मंगलवार सुबह 8 बजे तवा बांध का जलस्तर 1154.20 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 1166 फीट है। यानी



बांध अभी भी करीब 12 फीट खाली है।

बारिश का मौसम अंतिम चरण में पहुंच चुका है, लेकिन तवा बांध में पर्याप्त पानी नहीं होने के कारण इस मानसून सीजन में अब तक एक बार भी गेट खोलने की स्थिति नहीं आई। सामान्य तौर पर तेज बारिश और कैचमेंट क्षेत्र से

लगातार पानी आने पर बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ता है, लेकिन इस बार अपेक्षित जलभराव नहीं हो पाया।

सितंबर में अच्छी बारिश की उम्मीद: हालांकि, सितंबर में बारिश की उम्मीद अभी बनी हुई है। मौसम विभाग ने इस महीने अच्छी बारिश होने के संकेत

दिए हैं। यदि आने वाले दिनों में तवा बांध के कैचमेंट क्षेत्र में जोरदार बारिश होती है, तो बांध के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में जलाशय में पानी की कमी कुछ हद तक दूर होने की उम्मीद है।

जिले के अन्य प्रमुख जलाशयों में भी अभी अधिकतम क्षमता के मुकाबले कुछ कमी बनी हुई है। मंगलवार सुबह 8 बजे सेठानी घाट पर नर्मदा नदी का जलस्तर 939.90 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसका अधिकतम स्तर 967 फीट है। वहीं बरगी बांध का जलस्तर 421.70 मीटर दर्ज हुआ, जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 422.76 मीटर है।

इसी तरह बारना बांध में मंगलवार सुबह जलस्तर 346.90 मीटर दर्ज किया गया। इसकी अधिकतम क्षमता 348.55 मीटर है। सितंबर में यदि पर्याप्त बारिश होती है तो इन जलाशयों के जलस्तर में भी सुधार होने की संभावना है। फिलहाल इटारसी में बारिश थमने के बाद बढ़ी गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनों के निराकरण की गहन समीक्षा की

विदिशा ,एजेंसी। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज कलेक्टर कार्यालय में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिले में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की गहन समीक्षा की। बैठक में प्रमुख रूप से सीएम हेल्पलाइन, वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनों तथा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण संबंधी कार्यवाही का विभागवार एवं ग्रामवार जायजा लिया गया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने प्रत्येक विभाग से संबंधित लंबित आवेदनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल आवेदन का निराकरण दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आवेदक की समस्या का वास्तविक एवं सतोषजनक समाधान होना चाहिए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्रामों में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों को



प्राथमिकता से लेते हुए उनके निराकरण की प्रगति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से ग्रामवार प्राप्त आवेदनों, निराकृत आवेदनों तथा लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की और जिन प्रकरणों में विभागीय स्तर पर कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का

स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग द्वारा समयबद्ध कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने उच्च स्तर पर लंबित अथवा बार-बार प्राप्त हो रही शिकायतों की विशेष निगरानी करने तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रुचि लेकर उनका समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इसी प्रकार वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त पत्रों एवं आवेदनों पर की गई कार्रवाई की भी विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त प्रकरणों में समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्रवाई की अद्यतन जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देशित

किया कि लंबित आवेदनों के निराकरण में विभागीय समन्वय के साथ-साथ ग्राम स्तर पर वास्तविक स्थिति का सत्यापन भी किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में मौके पर जांच अथवा भौतिक सत्यापन आवश्यक है, वहां संबंधित अधिकारी स्वयं अथवा अधिकृत दल के माध्यम से जांच कराकर ही प्रकरण का निराकरण करें।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों को शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करते हुए उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर के नेतृत्व सभागाार कक्ष में सम्पन्न हुई उक्त बैठक में पूर्व उल्लेखित 26 विभागों के अधिकारियों ने अनुविभाग स्तर से नदीसी के माध्यम से तथा सभागाार कक्ष में मौजूद अन्य विभागों के अधिकारियों ने विभाग से संबंधित अद्यतन प्रगति की जानकारीयां साझा की है।

● जिला पर्यावरण योजना के तहत विभिन्न अपशिष्ट एवं पर्यावरण प्रबंधन की कार्ययोजना साझा

जिला पर्यावरण योजना के अंतर्गत जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की बिंदुवार कार्ययोजना साझा की गई। कार्ययोजना में नगरपालिका ठोस अपशिष्ट उत्पादन एवं प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा सीएंडडी (निर्माण एवं विध्वंस) अपशिष्ट प्रबंधन को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इसके साथ ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन, शोर गुणवत्ता प्रबंधन, घरेलू अपशिष्ट जल प्रबंधन, खनन प्रबंधन, आर्द्रभूमि प्रबंधन एवं वृक्षारोपण प्रबंधन के लिए भी जिला स्तर पर निर्धारित कार्ययोजना की जानकारी साझा की गई। कार्ययोजना के माध्यम से विभिन्न विभागों एवं संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारियां निर्धारित करते हुए अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्सारण, प्रदूषण नियंत्रण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरणीय मानकों के प्रभावी अनुपालन पर जोर दिया गया है।

खेत के बाड़े में किसान ने फांसी लगाई मंदसौर में बेटे ने देखा 65 वर्षीय बुजुर्ग का शव, आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर के नई आबादी थाना क्षेत्र के ग्राम भालोट में एक 65 वर्षीय किसान ने अपने खेत पर बने बाड़े में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सोमवार देर रात की है। किसान खेत पर अकेले थे, और उनके बेटे ने मंगलवार सुबह उनका शव फंदे पर लटका हुआ पाया।

मृतक की पहचान भालोट निवासी गोपाल पिता भगीरथ कुमावत (65) के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि गोपाल खेती का काम करते थे और आमतौर पर खेत पर बने बाड़े में ही रहते थे। सोमवार को भी वे दिन में घर से खेत पहुंचे थे।

गोपाल के बेटे पुष्कर ने जानकारी दी कि वह रोजाना रात में खेत पर मौजूद गाय-भैंसों को देखने के लिए जाते हैं। सोमवार रात जब वह खेत पहुंचे, तो उन्होंने अपने पिता को बाड़े में फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा। पुष्कर ने तुरंत गांव के सरपंच और अन्य परिजनों को इसकी सूचना दी।

परिवार में कोई परेशानी नहीं थीडः सूचना मिलने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसके बाद गोपाल को फंदे से नीचे उतारा गया और पुलिस को जानकारी दी गई। परिजन उन्हें निजी वाहन से



जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। शव को जिला अस्पताल की मर्च्युरी में रखवाया गया है और मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया। पुष्कर के अनुसार, परिवार में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं थी। उनके पिता स्वस्थ थे और उन्हें कोई बीमारी भी नहीं थी। परिवार को यह जानकारी नहीं है कि गोपाल ने यह कदम क्यों उठाया। नई आबादी थाना पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है, लेकिन फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

वर्षा ऋतु में होने वाली जलजनित बीमारियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी

आमजनों से अपील वे सतर्क रहें और दूषित जल से होने वाले रोगों से सावधानियाँ अपनाएँ

सीहोर ,एजेंसी। वर्षा ऋतु में होने वाली जलजनित बीमारियों के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और दूषित जल से होने वाले रोगों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ अपनाएँ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शुद्ध जल का उपयोग करने एवं जलजनित रोगों से सुरक्षा के लिए सलाह दी गई है। दूषित पानी के सेवन से उल्टी-दस्त, पेटिश, हैजा, पीलिया और टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियाँ होने की संभावना बढ़ जाती है। एडवाइजरी में कहा गया है कि रोगों से बचने के लिए सावधानियाँ और सुरक्षा उपाय अपनाकर स्वयं एवं परिवार को सुरक्षित करें। स्वास्थ्य विभाग एडवाइजरी में कहा है कि खानपान के लिए सदैव स्वच्छ एवं सुरक्षित उबला अथवा फिल्टर जल का ही प्रयोग करें। यदि पानी की शुद्धता संदिग्ध हो, तो उसे पहले उबालें, साफ कपड़े से छानें अथवा क्लोरीन की गोली डालें और कम से कम एक घंटे के बाद उसका सेवन करें। खाना बनाने, परोसने और खाने से पहले तथा शौच के बाद हाथों को साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोना अत्यंत आवश्यक है। यह सरल आदत कई रोगों से बचाव में सहायक होती है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि सदैव ताजा पका हुआ भोजन एवं स्वच्छ खाद्य वस्तुओं का ही सेवन करें। अधिक समय पहले बना हुआ यात्री बासी भोजन न खाएँ। भोजन एवं खाद्य सामग्री को पूरी तरह ढक कर रखें जिससे उन्हें मक्खियों, धूल अथवा अन्य गंदगी से दूषित होने से बचाया जा सके।

स्वरा भास्कर ने फिर उठाया पद्मावत के जौहर का मुद्दा



क्या रेप महिला की जिंदगी का अंत है? स्वरा भास्कर ने फिर उठाया पद्मावत के जौहर का मुद्दा सोशल मीडिया पर स्वरा भास्कर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह बता रही हैं कि फिल्म 'पद्मावत' देखने के बाद वह इतनी नाराज क्यों हुई थीं. करीब आठ साल पहले भी स्वरा ने फिल्म के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली को एक खुला पत्र लिखकर फिल्म में जौहर और सती को महिमामंडित करने पर सवाल उठाए थे. उस समय स्वरा के इस लेटर को लेकर सोशल मीडिया से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक काफी बहस हुई थी. अब दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक बार फिर उस पुराने पत्र और फिल्म के जौहर वाले सीन पर अपनी बात रखी है.सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में स्वरा कहती सुनाई दे रही हैं कि फिल्म में करीब 800 महिलाओं को जौहर करते हुए दिखाया गया था. इसे देखने के बाद उनके मन में यह सवाल आया कि अगर भगवान न करे, वह खुद रेप की पीड़ित होतीं, तो फिल्म उन्हें क्या संदेश दे रही थी.

स्वरा ने कहा कि ऐसी स्थिति में उन्हें लगता कि शायद वह कायर हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी 'इज्जत' बचाने के लिए खुद को खत्म नहीं किया. इसके बाद उन्होंने सवाल किया कि क्या समाज महिलाओं को यह संदेश देना चाहता है कि अगर उनके साथ रेप हुआ है, तो उन्हें जीने का अधिकार नहीं है? उन्होंने आगे पूछा, क्या हम यह कह रहे हैं कि रेप एक महिला की जिंदगी का अंत है? स्वरा का कहना था कि ऐसे समाज में, जहां महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं, इस तरह का संदेश बेहद परेशान करने वाला है.स्वरा ने फिल्म के एक और सीन का जिक्र किया, जिसने उन्हें काफी परेशान किया था. उन्होंने बताया कि फिल्म में एक गर्भवती महिला के पेट का क्लोजअप दिखाया गया था. स्वरा के मुताबिक, उन्हें इस सीन को देखकर लगा कि क्या यह संदेश दिया जा रहा है कि अगर गर्भ में पल रहा बच्चा लड़की है, तो उसे पैदा होने का भी अधिकार नहीं है, क्योंकि भविष्य में उसके साथ रेप हो सकता है? उन्होंने बताया कि फिल्म देखने के बाद वह काफी गुस्से में थीं और उन्हें लगा कि यह सब बेहद गलत तरीके से पेश किया गया है. स्वरा ने कहा कि 'पद्मावत' में उन्हें कई ऐसी चीजें नजर आईं, जो उन्हें बेहद परेशान करने वाली लगीं.

पांच दिन बाद लिखा था ओपन लेटर

स्वरा ने यह भी बताया कि आमतौर पर लोगों को लगता है कि वह गुस्से में तुरंत अपनी राय रख देती हैं. लेकिन 'पद्मावत' के मामले में ऐसा नहीं था. उन्होंने कहा कि फिल्म देखने के बाद उन्होंने करीब पांच दिन तक इंतजार किया और खुद से पूछा कि क्या वह अभी भी इसी तरह सोच रही हैं. स्वरा ने बताया कि पांच दिन बाद उन्होंने अपना खुला पत्र लिखा, जिसे वेबसाइट द वायर पर प्रकाशित किया गया था. स्वरा ने अपने पत्र में कहा था कि महिलाओं को रेप के बावजूद जीने का पूरा अधिकार है.



‘मैसा’ में दिखेगा रश्मिका का इंटेंस अवतार

रश्मिका मंदाना एक बेहतरीन अदाकारा हैं। कन्नड़, हिंदी और तेलुगु सिनेप्रेमियों के बीच वह एक सुपरस्टार के तौर पर बहुत कम समय में अपनी पहचान बना चुकी हैं। इतना ही नहीं, वह नेशनल क्रश के तौर पर भी जानी जाती हैं। रश्मिका की फिल्मों का उनके फैस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी आगामी फिल्म 'मैसा' को लेकर भी फैस का एक्साइटमेंट देखते ही बन रहा है। फिलहाल मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुह्ले ने किया है। रश्मिका के साथ ईश्वरी राव, गुरु सोमसुंदरम और राव रमेश भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।रश्मिका एक वर्सेटाइल एक्टर हैं। 'मैसा' में वह अपना दमदार एक्शन अवतार पेश करेंगी। वह फिल्म में एक आदिवासी गोंड महिला का किरदार निभा रही हैं। इससे पहले वह 'एनिमल', 'पुष्पा द राइज', 'पुष्पा 2- द रूल', 'छावा' और 'पोगर' जैसी फिल्मों में अपने एक्शन अवतार की झलक दिखा चुकी हैं।मेकर्स की ओर से जारी किए गए पोस्टरस से साफ पता चलता है कि 'मैसा' में उनका किरदार काफी इंटेंस है। यह फिल्म एक एक्टर के तौर पर रश्मिका के लिए भी खास रहने वाली है। पैन-ड्रिड्या स्केल पर वह इस तरह का पावरफुल किरदार निभाने वाली शुरुआती अभिनेत्रियों में शामिल होंगी।आजकल वुमन सेंट्रिक सब्जेक्ट्स सिनेप्रेमियों को खासे पसंद आ रहे हैं। अगर 'मैसा' की बात करें तो यह भारत की उन शुरुआती फीमेल लीड पैन-ड्रिड्या फिल्मों में से एक है, जिसमें एक महिला किरदार को एक्शन के केंद्र में रखा गया है।फिल्म के पोस्टरस से भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि रश्मिका अपनी एक्टिंग और एक्शन से एक बार फिर फैस का एक्साइटमेंट बढ़ाने वाली हैं। फिल्म में योद्धा का किरदार निभाने के लिए उन्होंने बैंकॉक में मार्शल आर्ट्स और स्टंट्स की कड़ी ट्रेनिंग भी ली है।'म27 नवंबर को रश्मिका की 'मायसा' के साथ इमरान हाशमी की 'गनमास्टर जो9' और आयुष्मान खुराना के 'यह प्रेम मोल लिया' भी रिलीज हो रही हैं। ऐसे में तीनों फिल्मों के एक साथ बॉक्स ऑफिस पर आने से दर्शकों के सामने फिल्मों का चुनाव करने की चुनौती हो सकती है।आयुष्मान खुराना के फैस भी उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं इमरान हाशमी 'गनमास्टर जो9' के साथ काफी समय बाद एक अलग अंदाज में वापसी करते नजर आएंगे। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि इन तीनों फिल्मों में से कौन-सी फिल्म दर्शकों की पहली पसंद बनती है। रश्मिका मंदाना का लीड रोल, उनकी शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और दमदार कहानी ने 'मैसा' को रिलीज से पहले ही चर्चा में ला दिया है। फिल्म में रश्मिका एक बोल्ड और दमदार अवतार में नजर आने वाली हैं। यही वजह है कि यह फिल्म 2026 की चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई है। पोस्टर में रश्मिका का खून से सना चेहरा, हाथ में भाला एक्शन से भरपूर किरदार की एक झलक है।



कृति सेनन की राखी ऐड वाली कंट्रोवर्सी में क्यों घसीटी जा रहीं प्रियंका चोपड़ा?



कृति सेनन के रक्षाबंधन वाले ऐड पर काफी विवाद हुआ था. इस कौंट्रोवर्सी पर आम लोगों के साथ ही कई सितारों ने भी अपनी राय रखी थी. जहां कंगना रनौत ने कृति को खरी-खोटी सुनाई थी. वहीं, कई सेलेब्स ने एक्ट्रेस का सपोर्ट भी किया था. इस विवाद में अब एक नया मोड़ आ गया है. दरअसल,ज्वेलरी ब्रांड के फेस्टिव कैपेन में कृति के आउटफिट को लेकर शुरू हुई बहस में अब प्रियंका चोपड़ा का नाम भी आ गया है. हैरानी की बात तो ये है कि एक्ट्रेस ने इस मामले पर खुद कोई बयान तक नहीं दिया है.ऐसे में सवाल ये है कि आखिर प्रियंका का नाम इस विवाद में क्यों लिया जा रहा है.

दरअसल, इस विवाद में प्रियंका का नाम सामने आने की वजह उनकी मां मधु चोपड़ा है. उन्होंने इस पूरे विवाद पर बयान दिया था, जिसमें कहा था कि, कुछ सीमाएं जरूरी होती हैं. बस इसी के बात प्रियंका को भी टोल किया जा रहा है. चलिए जान लेते हैं पीसी की मां ने ऐसा क्या कहा था?हाल ही में प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने भी इस विवाद पर अपनी राय रखी था. मुंबई में आयोजित 'omen i in inema o' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कृति सेनन के विज्ञापन को लेकर चल रही बहस पर बात करते हुए कहा, मेरा शरीर, मेरी पसंद बिल्कुल सही है, लेकिन एक दायरा होना भी जरूरी है. गरिमा बनाए रखना और दूसरे लोगों की भावनाओं व मूल्यों का सम्मान करना भी महत्वपूर्ण है. आप ऐसी चीजें वहां पहन सकते हैं, जहां यह सामान्य हो, लेकिन यहां यह सामान्य नहीं है. माफ कीजिए, लेकिन मुझे ऐसा ही लगता है.उन्होंने आगे कहा, मेरे बच्चे भी ऐसे कपड़े पहनते हैं, काम के लिए और क्योंकि उन्हें ऐसे कपड़े पसंद हैं. लेकिन मेरा यह भी मानना है कि मौके के हिसाब से उनका लुक अच्छा और खुबसूरत दिखना चाहिए. अगर वह मौके के हिसाब से सही नहीं लगेगा, तो आलोचना होना स्वाभाविक है. बस मधु के इस बयान के बाद प्रियंका चोपड़ा के कपड़ों पर भी सवाल उठ रहे हैं और आलोचना का सामना करना पड़ रहा है.

कृति सेनन ने ज्वेलरी ब्रांड के रक्षाबंधन कैपेन में काम किया था. विज्ञापन में वह अपने ऑन-स्क्रीन भाई और पालतू कुत्ते के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाती नजर आई थीं. इस ऐड में कृति ने आइवरी रंग का इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहना था, जिसमें ब्रांलेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप्ड स्कर्ट शामिल थी. इस कैपेन के जरिए रक्षाबंधन को परिवार के साथ मनाए जाने वाले त्योहार के रूप में दिखाने की कोशिश की गई थी. साथ ही, पालतू जानवरों को भी परिवार का हिस्सा बताने का संदेश दिया गया था. हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ लोगों को कृति का पहनावा पसंद नहीं आया. कुछ यूजर्स का कहना था कि पारंपरिक रूप से परिवार और संस्कृति से जुड़े त्योहार के लिए यह आउटफिट सही नहीं था. ऐड में पालतू कुत्ते को रक्षाबंधन सेलिब्रेशन में शामिल किए जाने पर भी लोगों ने सवाल उठाए थे।

मंदाना करीमी ने साइबर बुलिंग को लेकर किया खुलासा

‘बिग बॉस’ कंटेस्टेंट मंदाना करीमी मई में भारत छोड़कर दुबई में बस गई थीं। जिसके बाद अब एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें ऑनलाइन उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। भारत में रहते हुए भी ऐसा हो रहा था और अब भी ये खत्म नहीं हुआ है। मंगलवार को मंदाना ने इंस्टाग्राम पर कई वीडियो शेयर किए और साइबर बुलिंग और स्टॉकिंग को लेकर बात की। उनके मुताबिक, यह सिलसिला बिजनेसमैन गौरव गुप्ता से अलग होने के बाद शुरू हुआ था और कई सालों से जारी है।मंदाना के मुताबिक, उनसे जुड़े लोगों, जिनमें प्रोड्यूसर और को-स्टार्स भी शामिल हैं, उन्हें ऐसे ईमेल मिल रहे हैं जिनमें या तो पैसे मांगे जाते हैं या फिर उनके बारे में आपत्तिजनक और बदनाम करने वाले दावे किए जाते हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में मंदाना ने कहा कि वह छुट्टियों पर हैं, लेकिन एक बार फिर उनके साथ ऐसा ही हुआ है। उन्होंने बताया कि अलग होने के बाद से वह छह साल से ज्यादा समय से साइबर बुलिंग और स्टॉकिंग का सामना कर रही हैं। मंदाना ने कहा, एक अकाउंट ने मेरे प्रोड्यूसर और को-स्टार्स को मैसेज किया। उसमें मेरे बारे में बातें बताई गईं और उनसे पैसे भी मांगे गए। यह अब भी हो रहा है। मुझे समझ नहीं आता कि कोई मुझसे इतनी नफरत क्यों करता है और क्यों चाहता है कि मेरे पास न काम हो, न पैसा और न दोस्त।उन्होंने आगे बताया कि करीब चार साल पहले उन्होंने इस मामले की तह तक जाने की कोशिश की थी। इसके लिए उन्होंने एक व्यक्ति को यह पता लगाने के लिए रखा था कि आखिर यह सब कौन कर रहा है। मंदाना के मुताबिक, उन्हें बताया गया कि किसी ने एक प्रोफेशनल हैकर को उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर नजर रखने के लिए पैसे दिए हैं। मंदाना ने कहा कि उनके नाम से ‘मीनाक्षी’ नाम का इस्तेमाल करके मशहूर लोगों को ईमेल भेजे जाते हैं। उन्होंने बताया कि भारत छोड़ने के बाद भी उनके दोस्तों को ऐसे ईमेल मिल रहे हैं। उनके मुताबिक, उनके जानने वाले लोगों ने उन्हें इन ईमेल के बारे में बताया है और यह एक फर्जी अकाउंट है। मंदाना ने दावा किया कि इस मामले में उन्होंने भारत में पुलिस से भी मदद मांगी थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। उन्होंने कहा, कोई बस मेरा नाम बर्बाद करने की कोशिश कर रहा है।

अब मैं चुप नहीं रहूंगी

मंदाना ने ईमेल के स्क्रीनशॉट भी इंस्टाग्राम पर शेयर किए। कैप्शन में उन्होंने लिखा कि कई सालों से एक अंजान शख्स लगातार उनके साथ साइबर बुलिंग, उत्पीड़न और स्टॉकिंग कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह व्यक्ति उनकी जिंदगी पर करीब से नजर रखता है और उन लोगों को गलत और नुकसान पहुंचाने वाले ईमेल भेजता है, जिनके साथ वह सोशल मीडिया पर जुड़ी होती हैं या जिनका जिक्र करती हैं। मंदाना ने कहा कि भारत से दुबई जाने के बाद भी यह सिलसिला जारी है। मंदाना ने लिखा कि वह पहले भी साइबर क्राइम को लेकर कई शिकायतें दर्ज करा चुकी हैं और अब वह सार्वजनिक तौर पर इस मामले के बारे में बात कर रही हैं और सबूत शेयर कर रही हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर उन्हें मंदाना के बारे में कोई ईमेल मिले तो उस पर जवाब न दें, पैसे न भेजें और उसमें लिखी बातों पर धरोसा न करें। उन्होंने कहा कि ऐसे ईमेल को सेव करें, उसका स्क्रीनशॉट लें और उन्हें भेजें। मंदाना ने साफ कहा, यह उत्पीड़न है और अब मैं चुप नहीं रहूंगी।मंदाना ने मई में सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत छोड़ दिया था। स्ट्रक्चरश्वह को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि उनका यह फैसला किसी एक देश या किसी एक घटना की वजह से नहीं था, बल्कि वह अपनी जिंदगी का एक नया दौर शुरू करना चाहती थीं।



अल्काराज की 139 दिन बाद जीत से वापसी

यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे, **सबालेंका भी जीतीं**

यूएस (एजेंसी)। यूएस ओपन 2026 में डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने 139 दिन बाद सिंगल्स कोर्ट पर जीत के साथ वापसी की। अल्काराज कलाई की चोट के कारण चार महीने से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर थे। स्पेन के खिलाड़ी ने न्यूयॉर्क के आर्थर एश स्टेडियम में रूस के रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, विमेंस सिंगल्स में दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने कैमिल्ला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया। अल्काराज ने चोट के कारण इस दौरान फेंच ओपन और विंबलडन में हिस्सा नहीं लिया था। मैच के दौरान वह दाहिने हाथ पर कम्प्रेसन स्लीव पहनकर खेले।

स्वियातेक और नोस्कोवा भी जीतीं

छठी ग्रैंड स्लैम चैंपियन इग्ना स्वियातेक ने चीन की वांग शिया को 6-2, 6-3 से हराकर शुरुआत की। विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने अमेरिका की केटी वोलीनेट्स को 7-5, 6-1 से हराया। वहीं, पिछले साल यूएस ओपन की रनर-अप अमांडा अनिसिमोवा ने अपने 25वें जन्मदिन पर एशालिन वरुगर को 6-1, 6-3 से शिकस्त दी।



सबालेंका ने ओसोरियो को हराया

महिला सिंगल्स में दुनिया की नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने कैमिल्ला ओसोरियो को 6-2, 6-4 से हराया। इसके साथ ही उनका लगातार तीसरा स् ओपन खिताब जीतने का अभियान जारी रहा। वह ओपन एरा में लगातार तीन स् ओपन खिताब जीतने वाली तीसरी महिला बन सकती हैं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स और क्रिस एवर्ट ऐसा कर चुकी हैं। पहला सेट आसानी से जीतने के बाद सबालेंका को दूसरे सेट में संघर्ष करना पड़ा। हालांकि 4-4 के स्कोर के बाद वापसी कर मैच अपने नाम कर लिया। अगले दौर में उनका सामना रूस की कालिफायर पोलिना यान्सेको से होगा।

● **अल्काराज बोले-** लय हासिल करने के लिए और मैच खेलने की जरूरत - अल्काराज की वापसी जीत शानदार रही, लेकिन सर्विस में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि चार महीने बाद वापसी में उन्हें मैच फिटनेस को लेकर थोड़ी चिंता थी। उन्हें यह भी संदेह था कि वह पांच सेट का मैच खेल पाएंगे या नहीं। जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें लय हासिल करने के लिए अभी और मैच खेलने की जरूरत है। कार्लोस अल्काराज 2004 से 2008 के बीच लगातार पांच बार खिताब जीतने वाले रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन पुरुष सिंगल्स का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं।

सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन- 94/3, सेंट्रल जोन ने 159 रन का टारगेट दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं।

सेंट्रल जोन ने 37 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे

सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिकु सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी



मुकेश कुमार को 4, शमी को 3 विकेट - ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनेन कुरेशी ने 1-1 विकेट लिया।

मेसी ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास लिया

इंस्टाग्राम पर इमोशनल पोस्ट की, लिखा- यह फैसला बेहद मुश्किल और दर्दनाक

मेसी ने पोस्ट में क्या लिखा फैसला तकलीफदेह था

- मेसी ने लिखा, 'यह फैसला लेना तकलीफदेह था और आज भी दिल के अंदर तक दुख देता है, लेकिन मैं समझता हूँ कि अब समय आ गया है। मैंने हमेशा अपना सब कुछ दिया है। सिर्फ उन पिछले कुछ सालों में नहीं, जब हमने सब कुछ जीता, बल्कि उससे पहले भी।'।
- मैंने इस जर्सी के लिए हमेशा संघर्ष किया। मैदान पर अपना सब कुछ छोड़ा, ताकि आपको खुशी दे सकूँ। फुटबॉल के जरिए आपको अर्जेंटीनियन होने पर गर्व महसूस करा सकूँ।
- समय कम बचा है और अध्याय खत्म होते हैं। यह भी ऐसा ही एक अध्याय है, जो मुझे बहुत दुख देता है। मुझे राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना पसंद था, पसंद है और हमेशा रहेगा।
- मैंने अपने पास मौजूद सब कुछ दे दिया है। अब मेरे पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। इसके अलावा, कई बेहतरीन युवा खिलाड़ी आ रहे हैं, जो यहां होने के हकदार हैं।

अर्जेंटीना को 2022 में फुटबॉल वर्ल्ड कप जिताया

मेसी अपने देश के सबसे ज्यादा गोल करने वाले और सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2005 में अर्जेंटीना के लिए डेब्यू किया था। वे टीम के लिए 6 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं।



पिता के निधन के बाद कहा था- ज्यादा नहीं खेल पाऊंगा

मेसी ने अपने पिता की मौत के बाद एक पोस्ट में लिखा था कि उन्हें इस बात को लेकर 'काफी संदेह' था कि वे ज्यादा समय तक अर्जेंटीना के लिए खेल पाएंगे या नहीं। उन्होंने स्पेन के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में अपने प्रदर्शन को लेकर भी लिखा था, 'मेरे पैर अब आगे नहीं बढ़ पा रहे थे। इस बार मैंने अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने की कोशिश की, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सका।'।

स्टोक्स की 11 साल बाद बिग बैश लीग में वापसी
एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े, पूरा सीजन खेलेंगे



आखिरी दौर तक टीम के साथ रहेंगे। इस सीजन का फाइनल 26 जनवरी 2027 को होगा। स्टोक्स ने आखिरी बार 2015 की शुरुआत में बीबीएल मैच खेला था। 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल खेलने के बाद से उन्होंने कोई टी-20 क्रिकेट नहीं खेला है। बीबीएल ने इस पोस्ट के लिए स्टोक्स की वापसी का ऐलान किया।

स्टोक्स ने खुद स्ट्राइकर्स को चुना

स्टोक्स ने बीबीएल में लौटने की इच्छा जताई थी, जिसके बाद साउथ ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के क्रिकेट जनरल मैनेजर साइमन इस्ली ने उनसे बातचीत की। स्टोक्स को सिडनी सिक्सर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स जैसी टीमों भी अपनी सिक्सर्स जोड़ना चाहती थीं। स्ट्राइकर्स अभी दो अन्य बड़े नामों के साथ बातचीत कर रहे हैं। टीम को उम्मीद है कि जल्द ही उनके साथ जुड़ने की पुष्टि कर दी जाएगी। उनका पहला मैच कैनबरा में सिडनी थंडर के खिलाफ होगा।

लंदन (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास के बाद बेन स्टोक्स बिग बैश लीग की टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स से जुड़े हैं। वे फ्रेंचाइजी के साथ 5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में जुड़े। एग्जीमेट के अनुसार, अगर स्ट्राइकर्स क्वालिफाई करते हैं, तो स्टोक्स टूर्नामेंट के फाइनल में खेलेंगे।

भारत ने पांच बार की फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील से खेलने के लिए टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमों-पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमों सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है, जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी। इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमों इस साल की शुरुआत में हुए खट्टर वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नॉर्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर- एल्विनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार। डिफेंडर- अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिर्जोय वर्गीज, हिमंशुधनमाविया राट्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिंकी मीतेई हाओबाम। मिडफील्डर- अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राट्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सन्नन, रिंकी शर्मा, सहल अब्दुल समद। फॉरवर्ड- एडमंड लालरिंठिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।

की घोषणा भी कर दी। जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

चार रिजर्व खिलाड़ी

गोलकीपर कर्तिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोशाम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांग्नाम। पनामा के खिलाफ मैच से पहले तैयारी कैंप के लिए भारतीय टीम 14 सितंबर को बेंगलुरु में इकट्ठा होगी। पहला मैच खेलने के बाद, भारतीय टीम 28 सितंबर को कोलकाता के लिए रवाना होगी, ताकि विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में होने वाले बाकी दो मैचों की तैयारी कर सके।

फैंडली मैच का कार्यक्रम

26 सितंबर - भारत बनाम पनामा - श्री कांतीवा स्टेडियम, बेंगलुरु
3 अक्टूबर - भारत बनाम ब्राजील-विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन, कोलकाता
6 अक्टूबर - भारत बनाम उरुग्वे - विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन, कोलकाता

वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में तीन रेसलर्स पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूई के मंडे नाइट रॉ के हालिया एपिसोड में द उसोज, जिमी उसो और सोलो सिकोआ पर जानलेवा हमला किया गया। इसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। शो के कमेंटेटर जो टेसिटोर ने इसकी जानकारी दी। हमले के वीडियो में इतना खून-खराबा था कि टीवी स्क्रीन पर विजुअल्स को ब्लर किया गया। फुटेज को फ्रीज करके सेंसर भी करना पड़ा।

द उसोज पर कार के पास हमला- रॉयस कीज और ओटीएम ने रॉ की शुरुआत में द उसोज, जिमी उसो पर हमला कर दिया। हमलावरों ने जिमी को कार के ऊपर पटक दिया। इसके बाद जे उसो को भी बुरी तरह पीटा गया। जे का चेहरा खून से लथपथ नजर आया, जिसके कारण डब्ल्यूडब्ल्यूई ने टीवी पर उस हिस्से को ब्लर कर दिया।



हमले के दौरान जैकब फाटू वहां पहुंचे और हमलावरों का पीछा करने की कोशिश की। हालांकि, रॉयस कीज और ओटीएम वहां से निकल गए। इस हमले ने रॉयस कीज और ओटीएम को डब्ल्यूडब्ल्यूई में एक बड़े खतरे के तौर पर स्थापित कर दिया है।

● उसोज और सिकोआ घायल, खून से सने विजुअल्स को ब्लर किए गए

सोलो सिकोआ पर बैकस्टेज हमला

सोलो सिकोआ को बैकस्टेज निशाना बनाया गया। इसके बाद वह घायल हालत में पड़े मिले। इस हमले के लिए रोमन रेंस का नाम सामने आया, लेकिन रेंस ने इसमें अपना हाथ होने से इनकार किया। रेंस ने एलए नाइट का नाम भी इस मामले में नहीं जोड़ने की बात कही।

तीनों को मेडिकल सेंटर ले जाया गया

जो टेसिटोर ने बताया कि रॉ में हुई घटना के बाद कई स्टार्स को अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने कहा कि सोलो सिकोआ, जे उसो और जिमी उसो को स्थानीय मेडिकल सेंटर पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर इन तीनों की चोटों का आकलन कर रहे हैं। जो टेसिटोर ने कहा, हमें अभी इस बात की जानकारी मिली है, जो हम आपके साथ साझा कर रहे हैं।

लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम से बाहर

- जिम्बाब्वे-साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए नहीं चुने गए
- जोएल डेविस को मौका, स्टार्क-कर्मिस की वापसी

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली



बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड को वापसी हुई है, जबकि पेट कर्मिस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। लाबुशेन ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में अर्धशतक लगाया - लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।



मुझे हमेशा याद रहेगा... आईसीसी चेयरमैन जय शाह का लियोनेल मेसी के रिटायरमेंट पर बड़ा बयान

अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी ने 31 अगस्त को इंटरनेशनल फुटबॉल को अलविदा कह दिया। जिसके बाद खेल से जुड़ी बड़ी से बड़ी हस्तियां उन्हें शानदार करियर के लिए बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी क्रम में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के चेयरमैन जय शाह ने मंगलवार को मेसी से मुलाकात को याद करते हुए उनके इंटरनेशनल करियर के लिए बधाई दी और अगले सफर के लिए शुभकामनाएं भी दीं। जय शाह ने एक्स पर एक तस्वीर शेयर करके लिखा, एक यादगार इंटरनेशनल सफर का अब समाप्त हो रहा है। भारत की आपकी ऐतिहासिक यात्रा के दौरान हुई हमारी मुलाकात को याद करते हुए, मैदान पर आपकी बेमिसाल प्रतिभा के साथ-साथ आपका जबरदस्त विनम्र स्वभाव भी मुझे हमेशा याद रहेगा। आपको व्यक्तिगत रूप से हमारे देश की जर्सी भेंट करना, खेल जगत के लिए एक गर्व भरा पल था।

जनविश्वास पोर्टल से अभियान को मिलेगी गति

कृष्ण जन्माष्टमी पर प्रदेश के 81 कृष्ण मंदिरों में होंगे बड़े आयोजन

कृष्ण के स्वरूपों में सीएम हाउस पहुंचेंगे एक हजार बच्चे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त से शुरू हुए अभियान के चार सप्ताह पूरे हो चुके हैं और कम समय में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी सप्ताह में एक दिन मैदानी क्षेत्रों में पहुंचकर जनता की समस्याओं का तत्काल निराकरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनविश्वास पोर्टल अभियान के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूजर मैनुअल के अनुसार पोर्टल पर नियमित रूप से

जानकारियां अपलोड की जाएं। पोर्टल पर अभियान के तहत किए गए भ्रमण, निरीक्षण, जनसंवाद, उद्यम संवाद, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक, नीतिगत विषयों, महत्वपूर्ण निर्देशों, जिलों के नवाचारों और सुझावों की जानकारी दर्ज की जाएगी। प्रत्येक सप्ताह अपलोड होने वाली सूचनाओं की उच्च स्तर पर समीक्षा की जाएगी। साथ ही राज्य स्तर के मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक समन्वय भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोर्टल के समेकित उपयोग से मैदानी स्तर पर जनता को योजनाओं और समस्याओं के समाधान का अधिक प्रभावी लाभ मिल सकेगा।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री बलराम जयंती पर दी शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृष्णों के आराध्य, शक्ति और परिश्रम के प्रतीक भगवान श्री बलराम जी की जयंती एवं पावन पर्व हलषष्ठी की सभी को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि भगवान श्री बलराम जी के आदर्शों और कृषक जीवन के प्रति उनकी परायणता से प्रेरित बलराम कृषि महोत्सव मध्यप्रदेश के अन्नदाता किसानों के सम्मान, सशक्तिकरण और समृद्धि का उत्सव है।

शांति समिति की बैठक में हिंदू उत्सव समिति ने प्रशासन से की सख्त कार्रवाई और बेहतर व्यवस्थाओं की मांग

भोपाल। आगामी जन्माष्टमी, गणेश उत्सव, दुर्गा उत्सव, गणेश चल समारोह, दुर्गा चल समारोह और दशहरा को लेकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित शांति समिति की बैठक में हिंदू उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने धार्मिक आयोजनों की गरिमा, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर जोरदार तरीके से अपनी बात रखी। बैठक में हिंदू उत्सव समिति ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान डीजे पर किसी भी प्रकार के अश्लील और आपत्तिजनक गाने बजाए नहीं जाएंगे। समिति ने ऐसे मामलों में नियमों का उल्लंघन करने वाले डीजे संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई। समिति ने एआई पैटर्न की मूर्तियों को लेकर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए धार्मिक परंपराओं और भावनाओं के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। समिति का कहना था कि नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित मूर्तिकारों और आयोजक समितियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। बैठक में शहर की बदहाल व्यवस्थाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। जिन स्थानों पर प्रतिमाओं की स्थापना और निर्माण हो रहा है, वहां के आसपास की सड़कों के गड्ढे तत्काल भरवाने, साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक इंतजाम करने की मांग की गई।

पुणे-हड़पसर रेलखण्ड पर थर्ड लाइन कार्य के चलते 06 ट्रेने प्रभावित

भोपाल। मध्य रेल, पुणे मंडल के हड़पसर-पुणे रेलखंड में थर्ड लाइन कमीशनिंग कार्य के लिए पुणे एवं हड़पसर यादों में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इस कार्य के चलते पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल होकर संचालित कुछ रेलगाड़ियों के परिचालन में परिवर्तन किया गया है। इसके अंतर्गत 4 रेलगाड़ियाँ शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजिनेट, 1 रेलगाड़ी मार्ग परिवर्तित तथा 1 रेलगाड़ी रि-शिड्यूल रहेगी।

दौंड जंक्शन पर शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली रेलगाड़ियाँ
1) गाड़ी संख्या 20162 जबलपुर-पुणे एक्सप्रेस 20 सितंबर को जबलपुर से प्रस्थान करने वाली यह ट्रेन अगले दिन पुणे के स्थान पर दौंड जंक्शन स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। अर्थात दौंड जंक्शन से पुणे के मध्य यह ट्रेन आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

2) गाड़ी संख्या 22172 रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस 03 अक्टूबर को रानी कमलापति से प्रस्थान करने वाली यह ट्रेन अगले दिन पुणे के स्थान पर दौंड जंक्शन स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। अर्थात दौंड जंक्शन से पुणे के मध्य यह ट्रेन आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

दौंड जंक्शन से शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली रेलगाड़ियाँ
3) गाड़ी संख्या 20161 पुणे-जबलपुर एक्सप्रेस 21 सितंबर को पुणे के स्थान पर दौंड जंक्शन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। अर्थात पुणे से दौंड जंक्शन के मध्य यह ट्रेन आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

4) गाड़ी संख्या 22171 पुणे-रानी कमलापति एक्सप्रेस 04 अक्टूबर को पुणे के स्थान पर दौंड जंक्शन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। अर्थात पुणे से दौंड जंक्शन के मध्य यह ट्रेन आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

पुणे-रानी कमलापति एक्सप्रेस मार्ग परिवर्तित
5) गाड़ी संख्या 22171 पुणे-रानी कमलापति एक्सप्रेस दिनांक 20 सितंबर 2026 को पुणे से प्रारंभ होकर यह ट्रेन परिवर्तित मार्ग लोनावला-कर्जत जंक्शन-पनवेल-कल्याण-इगुपुरी-मनमाड होकर संचालित होगी।

हड़पसर-रीवा एक्सप्रेस का हड़पसर स्टेशन पर प्रस्थान समय रि-शिड्यूल रहेगा

सीएम ने लॉन्च किया जन विश्वास अभियान पोर्टल, एक महीने में 5.64 लाख शिकायतें निपटाई हर सोमवार कलेक्टरों को देनी होगी कामकाज की रिपोर्ट

इस अभियान की शुरुआत 7 अगस्त 2026 को हुई थी अब तक चार सप्ताह पूरे हो चुके हैं।

भोपाल। प्रदेश में जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और अधिकारियों की मैदानी सक्रियता की निगरानी के लिए शुरू किए गए जन विश्वास अभियान के तहत अब जिलों की गतिविधियों और

उपलब्धियों का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान पोर्टल शुरू किया गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने आज मंत्रालय में इस पोर्टल को लॉन्च किया। इस अभियान की शुरुआत 7 अगस्त 2026 को हुई थी और अब तक चार सप्ताह पूरे हो चुके हैं। अभियान के पहले महीने में 5 लाख 64 हजार से अधिक सीएम हेलपलाइन शिकायतों का निराकरण किया गया है। वहीं, लोक सेवा गारंटी के तहत दर्ज 8 लाख 6 हजार से अधिक आवेदनों का भी निराकरण किया जा चुका है।

हर सोमवार पोर्टल पर अपडेट होगी जिले की रिपोर्ट

पोर्टल पर जिलों से हर सप्ताह अभियान के दौरान किए गए कामों की जानकारी दर्ज की जाएगी। इसमें अधिकारियों के भ्रमण, निरीक्षण, जनसंवाद, उद्यम संवाद, यशस्वी संवाद और मीडिया संवाद के साथ जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों की जानकारी भी शामिल होगी।

संभागायुक्त करेंगे नियमित मॉनिटरिंग

अभियान के दौरान शुक्रवार तक किए गए कार्यों की जानकारी संबंधित जिला कलेक्टर को अगले सोमवार तक अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। संभागायुक्त इसकी नियमित मॉनिटरिंग करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक सोमवार को जिलों की पूरी जानकारी अपलोड हो गई है।



विभागों को भी मिलेगी निगरानी की जिम्मेदारी

पोर्टल की मॉनिटरिंग के लिए सभी विभागों को लॉगिन आईडी दी जा रही हैं। कलेक्टरों द्वारा हर सप्ताह दर्ज की जाने वाली जानकारी की उच्च स्तर पर नियमित समीक्षा होगी। इसके जरिए जिलों से जुड़े ऐसे मामलों को चिह्नित किया जाएगा, जिनके निराकरण के लिए राज्य स्तर पर समन्वय की जरूरत है।

भोपाल में सीलिंग के विरोध में सड़कों पर उतरे व्यापारी, लोग परेशान

नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में कोलार में बंद

भोपाल। भोपाल के कोलार क्षेत्र में नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई का विरोध अब और तेज हो गया है। कोलार व्यापारी महासंघ के आह्वान पर बुधवार को समूचा बाजार पूरी तरह बंद रहा। कोलार तिराहे से लेकर गोल जोड़ तक का पूरा व्यावसायिक इलाका सुस्तान नजर आया। छोटे-बड़े दुकानदारों से लेकर डी-मार्ट, बी-मार्ट, विशाल मेगामार्ट जैसे प्रमुख शॉपिंग मॉल और मंदकिनी व डी-मार्ट चौराहे की शराब दुकानें तक पूरी तरह बंद रही। हालांकि, आम जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए पेट्रोल पंप और मेडिकल स्टोर्स जैसी आपातकालीन सेवाओं को इस बंद से मुक्त रखा गया था।



नगर निगम द्वारा की जा रही सीलिंग कार्रवाई के विरोध में कोलार के व्यापारियों ने एक अनोखा और उग्र प्रदर्शन किया।

विरोध दर्ज कराने के लिए व्यापारियों ने पहले सैकितिक अर्थी यात्रा निकाली। इस दौरान कुछ व्यापारियों ने अपना मुंडन भी करवाया।

सितंबर-नवंबर में डीपीसी अनिवार्य; पहले से तैयार होगा प्रमोशन पैनल आरक्षक से इंस्पेक्टर तक प्रमोशन की रफ्तार बढ़ेगी

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक से लेकर इंस्पेक्टर तक मैदानी संवर्ग के नियमित प्रमोशन की प्रक्रिया अब तय कैलेंडर के मुताबिक आगे बढ़ेगी। पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस इकाइयों को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें समय-समय पर कराने के निर्देश दिए हैं। इससे लंबे समय से पदोन्नति प्रक्रिया में होने वाली देरी पर अंकुश लगाने की कोशिश की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग के मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत पीएचक्यू ने पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी किए हैं। स्पेशल डीजी प्रशासन आदर्श कटियार ने 1 सितंबर को सभी इकाई प्रमुखों को पत्र भेजकर नए भर्ती और पदोन्नति नियमों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

चयन वर्ष 2027 के लिए 31 दिसंबर 2027 तक उपलब्ध होने वाली रिक्तियों को ध्यान में रखते हुए पात्र पुलिसकर्मीयों की पदोन्नति के लिए डीपीसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पीएचक्यू ने स्पष्ट किया है कि सितंबर से नवंबर के बीच डीपीसी की बैठकें आयोजित की जाएं, ताकि पात्र कर्मचारियों की उपयुक्तता का परीक्षण कर समय पर पैनल तैयार किया जा



सके। इस व्यवस्था का मकसद यह है कि रिक्तियां सामने आने के बाद पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने के बजाय पहले से पात्र कर्मचारियों का पैनल तैयार रहे और निर्धारित समय पर पदोन्नति आदेश जारी किए जा सकें।

हर साल कम से कम एक बार डीपीसी

नए पदोन्नति नियमों की कंडिका-6 में डीपीसी को नियमित वार्षिक

प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया है। अब प्रत्येक चयन वर्ष के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक कम से कम एक बार आयोजित करना जरूरी होगा। चयन वर्ष शुरू होने से पहले सितंबर से नवंबर के बीच डीपीसी की बैठक कराने की व्यवस्था की गई है। इसमें संबंधित संवर्ग के पात्र कर्मचारियों की सेवा संबंधी रिकॉर्ड और पदोन्नति के लिए उनकी उपयुक्तता का परीक्षण किया जाएगा।

पुलिस में प्रमोशन विवादों के बीच अहम कदम

हाल ही में पुलिस विभाग में पदोन्नति सूचियों को लेकर बड़े स्तर पर शिकायतें सामने आई थीं। कई मामलों में सेवा रिकॉर्ड, विभागीय जांच और पात्रता से जुड़े सवाल उठने के बाद वकाह को पदोन्नति प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा करनी पड़ी। ऐसे में नई व्यवस्था का सबसे बड़ा परीक्षण यही होगा

413 निकायों का जीआईएस डेटा तैयार करने वाला मप्र पहला राज्य; सिस्टम से जलस्तर बढ़? पर दिखेगा असर

गरुड़ बताएगा बाढ़ आई तो कितने घर डूबेंगे

भोपाल। मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जहां सभी 413 नगरीय निकायों के हर घर और शहरी व्यवस्थाओं का डेटा तैयार किया गया है। गरुड़ एमपी सिस्टम के जरिए अब बाढ़ आने से पहले ही संभावित खतरे का पता लगाया जा सकेगा। इंदौर, भोपाल समेत सभी छोटे-बड़े शहरों में नदी-नालों का जलस्तर बढ़? पर प्रभावित होने वाले ही नक्शा तैयार किया जाएगा।



इसे राहत और बचाव की तैयारी समय रहते की जा सकेगी। गरुड़ ऐप में अलग-अलग जलस्तर के आधार पर सिमुलेशन की सुविधा विकसित की गई है।

तय स्तर से ऊपर बढ़? पर सिस्टम नक्शे पर बता सकेगा कि कौन सा वार्ड प्रभावित होगा, कितने घर और संपत्तियां पानी की चपेट में आ सकती हैं और कितनी आबादी

प्रभावित होगी। इसके साथ ही संभावित बाढ़ की चपेट में आने वाले स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाओं की भी पहचान की जा सकेगी।



व्यवस्था के लिए प्रत्येक जिले को न्यास की ओर से एक-एक लाख रुपये तक की राशि उपलब्ध कराई जा सकेगी।

गोशालाओं में सफाई, गौ-पूजन और स्वास्थ्य जांच शिविर

जन्माष्टमी के मौके पर प्रदेश की गोशालाओं में विशेष सफाई अभियान चलाने के साथ गौ-पूजन, गौरक्षा और पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए पशुपालन विभाग और जिला प्रशासन को जिम्मेदारी दी गई है। यह निर्देश जन्माष्टमी के धार्मिक आयोजन को गोसेवा और पशु कल्याण से जोड़? के लिहाज से अहम है।

अमृत हरित महाभियान में 51 लाख से अधिक पौधरोपण, प्रशिक्षित मालियों की भूमिका अहम

भोपाल। प्रदेश में हरित आवरण बढ़ाने और पौधों की वैज्ञानिक देखभाल सुनिश्चित करने के लिए भौरी स्थित सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगरीय प्रबंधन संस्थान में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय माली प्रशिक्षण कार्यशाला का बुधवार को समापन हुआ। 1 और 2 सितंबर को हुई कार्यशाला में प्रदेश के सभी 10 संभागों से करीब 215 से 220 माली कर्मचारियों ने सहभागिता की।



नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि हाअमृत हरित महाभियान के तहत प्रदेश में अब तक 51 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण तभी सफल माना जाएगा, जब लगाए गए पौधे स्वस्थ और विशाल वृक्षों में विकसित हों। इसमें प्रशिक्षित माली कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत

महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में नर्सरी प्रबंधन, लैंडस्केपिंग, पार्क डिजाइनिंग और आधुनिक पौधरोपण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। हलनमो हरित-नगर योजना के तहत शहरों को पर्यावरण अनुकूल बनाने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए। विशेषज्ञों ने पौध पौषण, मृदा प्रबंधन, सिंचाई, कटाई-छंटाई और

नियमित रखरखाव की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। आयुक्त ने कहा कि प्रशिक्षित कर्मचारियों के माध्यम से नगरीय निकायों के पार्कों और हरित पट्टियों का रखरखाव बेहतर होगा तथा पौधों की जीवित रहने की दर बढ़ेगी। इससे नागरिकों को स्वच्छ, निर्मल और हरित वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सीहोर में 1200 केवी तक के पाँवर ट्रांसफॉर्मर बनेंगे, 2 हजार से अधिक रोजगार के अवसर



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 सितंबर को सीहोर में सीजी पावर एंड इंस्ट्रुमेंटल सॉल्यूशंस लिमिटेड की नई पाँवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण इकाई के प्रथम ट्रांसफॉर्मर का रोल-आउट करेंगे। करीब 50 एकड़ में स्थापित यह देश की एक ही स्थान पर स्थित सबसे बड़ी पाँवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण सुविधाओं में शामिल है। अगस्त 2025 में आधुनिक इकाई में 220 केवी से 1200 केवी तक के पाँवर ट्रांसफॉर्मर तैयार किए जाएंगे। इसकी मासिक उत्पादन क्षमता 35 ट्रांसफॉर्मर होगी। यहां निर्मित उपकरण देश के विभिन्न हिस्सों के साथ वैश्विक बाजारों में

भी भेजे जाएंगे। ट्रांसफॉर्मरों का उपयोग विद्युत क्षेत्र के अलावा डेटा सेंटर, रेलवे, नवकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस तथा ट्रांसमिशन इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं में किया जाएगा। इससे उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरणों के घरेलू निर्माण को मजबूती मिलने की उम्मीद है। परियोजना से सीहोर में 2 हजार से अधिक कर्मचारी और अन्य कारोबारों को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार बड़े निवेश प्रस्तावों को तेजी से धरातल पर उतारने और स्थानीय रोजगार बढ़ाने पर जोर दे रही है।

413 निकायों का डेटा एक सिस्टम में

मध्यप्रदेश ने सभी 413 नगरीय निकायों के भौगोलिक आंकड़ों को एक ही सिस्टम में जोड़ा है। इसमें इंदौर, भोपाल समेत बड़े शहरों और छोटे कस्बों के घरों के साथ सड़क, पानी की पाइपलाइन, सीवेरेज, जलाशय और जमीन के उपयोग से जुड़ी जानकारी शामिल है। इस डेटा के जरिए किसी इलाके को उसके वास्तविक स्थान और आसपास की शहरी व्यवस्थाओं के साथ देखा जा सकेगा।